Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 06, अंक 310 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 31 दिसंबर 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

टक्कर मारने के बाद बाइक को 2 किमी तक घसीटता रहा बोलेरो चालक, निकलती रही चिंगारी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से एक बेहद ही दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक बोलेरो गाड़ी एक बाइक को टक्कर मारकर कई किलोमीटर तक घसीटती हुई जा रही है। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है।

यह घटना संभल विधानसभा क्षेत्र के मुरादाबाद मार्ग पर हुई। जानकारी के मुताबिक, संभल सदर कोतवाली इलाके के मुरादाबाद मार्ग का मामला है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बोलेरो गाड़ी ने पीछे से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बोलेरो के नीचे फंस गई और गाड़ी उसे कई किलोमीटर तक घसीटती रही। इस दौरान बाइक से चिंगारियां निकलती रहीं और सड़क पर काले निशान पड़ गए।

हादसे के बाद बोलेरो का चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। जबकि बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। इस घटना का वीडियो किसी अन्य वाहन चालक ने रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बोलेरो पर भाजपा का स्टीकर लगा हुआ है।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पूर्व व्यवसायिक शिक्षा का बच्चों को मिल रहा है प्रशिक्षण

स्कूली बच्चों द्वारा तैयार लकड़ी की नेम प्लेट और पोट्रेट उपहार में पाकर मुख्यमंत्री श्री साय ने जताई खुशी

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कैबिनेट के मंत्रीगणों के लिए नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत मडानार स्कूल से आज विशेष उपहार आया। शासकीय उच्च प्राथमिक शाला मडानार के स्कूली बच्चों ने मुख्यमंत्री और सभी मंत्री गणों के लिए अपने हाथों से तैयार लकड़ी की नेम प्लेट भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय उपहार पाकर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने इस नेम प्लेट को तत्काल मंत्रालय स्थित अपने चेंबर के टेबल पर लगवाया और सभी मंत्रियों से भी कहा कि सभी अपने चेंबर में इसे लगवाएं। इन बच्चों ने आज मुख्यमंत्री से मंत्रालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा कि बस्तर की अद्भुत कला को जिस समर्पण के साथ हमारे बच्चे आगे बढ़ाने का काम कर रहे है, वह सराहनीय है। बच्चों की शिक्षा और नया सीखने के प्रति लगन बस्तर की उन्नति का रास्ता खोलने का काम करेगी। उन्होंने सभी बच्चों का परिचय लिया और उनकी कला की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस कला को सीखने के लिए बच्चों के प्रयासों को सराहा और जब उन्हें पता चला कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर बच्चों ने यह सीखा है, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यही उद्देश्य था कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से बच्चे न केवल पढ़ाई करें बल्कि अपने रुचि के कार्यों में भी पारंगत हो। शिक्षा को रुचिकर बनाने, कला-संस्कृति को सहेजने के साथ-साथ रोजगार के बड़े उद्देश्य की पूर्ति नई शिक्षा नीति के माध्यम से साकार हो रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री को बच्चों ने काष्ठ पर उकेरे गए संविधान की उद्देशिका भेंट की और उपमुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव और विजय शर्मा को पोट्रेट भेंट किया। स्कूली बच्चों के साथ आए शिक्षक शिवचरण साहू ने मुख्यमंत्री को बताया कि नेम प्लेट को 12वीं कक्षा की छात्रा कशिक ने अपने हाथों से तैयार किया है। वहीं पोट्रेट को खिलेंद्र बघेल ने और संविधान की उद्देशिका को छात्र सागर ने तैयार किया है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पूर्व व्यवसायिक शिक्षा अंतर्गत यह प्रशिक्षण मिला है और बच्चे रुचि के साथ इसे सीख रहे हैं। श्री साहू ने बताया कि सालाना लगभग 3 लाख रुपए इन कलाकृतियों के विक्रय के माध्यम से उन्हें प्राप्त हो रहे हैं। बच्चों द्वारा तैयार यह कलाकृतियां अब अमेजॉन और फ्लिपकार्ट जैसे बड़े ऑनलाइन बाजार में भी उपलब्ध है।

दिल्ली के इमामों का केजरीवाल को अल्टीमेटम

साजिद रशीदी ने कहा-वेतन नहीं मिला तो धरने पर बैठ जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पिछले 17 महीनों से इमामों को वेतन नहीं मिलने का मामला गंभीर होता जा रहा है. इस विषय को लेकर दिल्ली वक्फ बोर्ड के अंतर्गत आने वाली मस्जिदों के इमामों ने अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर धरना देने की बात कही है. इमामों का कहना है कि वे पहले भी अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मिलने का समय नहीं दिया गया. इमामों ने कहा कि हमें सिर्फ मिलने का समय दे दीजिए. हम चाहते हैं कि हमारी तनख्वाह हमें वक्त पर मिलने लगे. अगर हमारी तनख्वाह नहीं मिलती है, तो हम यहीं पर धरने पर बैठ जाएंगे. इससे पहले इमामों ने गुरुवार और फिर शनिवार को भी अरविंद केजरीवाल मिलने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा था.

दिल्ली के इमामों की इस समस्या ने एक नई दिशा ले ली है, क्योंकि वे अब ठान चुके हैं कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तो वे धरने पर बैठकर अपनी आवाज उठाएंगे. उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर हमें आज भी मिलने का समय नहीं दिया गया, तो हम यहां पर धरने पर बैठे रहेंगे, जब तक हमारी तनख्वाह नहीं मिलती. दो दिन पहले भी, इमामों ने अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर अपनी समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया था, लेकिन उनकी बातचीत नहीं हो पाई थी. इमामों का कहना है कि यह सिर्फ वेतन का मामला नहीं है, बल्कि यह उनके सम्मान और पेशे की गरिमा से भी जुड़ा है.

इसरो ने स्पेडेक्स मिशन की लॉन्चिंग का समय बदला

पीएसएलवी-सी60 की उड़ान को लेकर दिया नया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो ने अपने महत्वकांक्षी अंतरिक्ष मिशन 'स्पेडेक्स' की लॉन्चिंग को दो मिनट आगे बढ़ा दिया है। इसरो का यह मिशन उसके अंतरिक्ष कार्यक्रम में मील का पत्थर साबित होगा। पहले इसरो अपने स्पेस डॉकिंग मिशन स्पेडेक्स की लॉन्चिंग सोमवार रात 9.58 पर करने वाला था, लेकिन अब यह लॉन्चिंग दो मिनट की देरी से रात 10 बजे होगी। हालांकि लॉन्चिंग के समय में इस बदलाव की वजह इसरो ने नहीं बताई है। इसरो ने सोमवार को एक अपडेट में कहा, 'लॉन्च का दिन आ गया है। आज रात ठीक 10 बजे, स्पेडेक्स और नए पेलोड के साथ पीएसएलवी-सी60 उड़ान भरने के लिए तैयार है।'

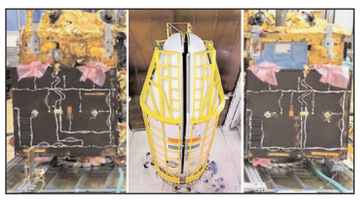

भारत से पहले सिर्फ तीन देशों ने ही हासिल की है ये उपलब्धि

अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, 'अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग पृथ्वी की कक्षा में डॉकिंग की भारत की क्षमता स्थापित करने के लिए एक अहम मिशन है, जो भविष्य में इंसानों को अंतरिक्ष में भेजने और उपग्रह सेवा मिशनों के लिए बेहद अहम तकनीक है।' इसरो के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात 9 बजे शुरू हुई 25 घंटे की उल्टी गिनती जारी है। भारत से पहले सिर्फ चीन, रूस और अमेरिका ही स्पेस डॉकिंग का सफल परीक्षण कर चुके हैं। भारत के चंद्रयान-4 मिशन की कामयाबी भी स्पेडेक्स मिशन पर निर्भर है। स्पेडेक्स लॉन्चिंग का इसरो के यूट्यूब चैनल पर रात साढ़े नौ बजे से सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इस मिशन के तहत इसरो पृथ्वी की निचली कक्षा में दो स्पेसक्राफ्ट को आपस में जोड़ा जाएगा। साथ ही स्पेसक्राफ्ट को जोड़ने के बाद उनमें इलेक्ट्रिक पावर ट्रांसफर करने की तकनीक का भी परीक्षण किया जाएगा। यह मिशन कितना चुनौतीपूर्ण है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसरो पीएसएलवी रॉकेट में दो अंतरिक्ष यान- स्पेसक्राफ्ट ए (एसडीएक्स01) और स्पेसक्राफ्ट बी (एसडीएक्स02) को एक ऐसी कक्षा में रखा जाएगा, जो उन्हें एक-दूसरे से 5 किमी दूर रखेगी।

पृथ्वी की कक्षा में पहुंचने के बाद स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 28,800 किलोमीटर प्रतिघंटे होगी। यह गति कमर्शियल विमान की रफ्तार से 36 गुना ज्यादा और गोली की गति से भी 10 गुना ज्यादा होगी। इस गति में दोनों अंतरिक्षयानों की गति को पहले जमीन से ही नियंत्रित कर उसे 0.25 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार पर लाया जाएगा और फिर दोनों अंतरिक्षयान को आपस में जोड़ दिया जाएगा। इसरो

मेरी सास जल्द ही मर जाए... ' मंदिर में दान पेटी से निकले 'नोट' पर मिली फरियाद से सभी हैरान

कलबुर्गी (एजेंसी)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले से एक बेहद ही अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां के भाग्यवन्ती मंदिर की दान पेटी से निकले एक नोट ने सभी को हैरान कर दिया है। इस नोट पर एक महिला ने अपनी सास की मौत की प्रार्थना की है।

मंदिर के पुजारी जब दान पेटी की गिनती कर रहे थे, तब उन्हें 20 रुपये का एक नोट मिला जिसमें हाथ से लिखा हुआ एक संदेश था। इस संदेश में महिला ने देवी से अपनी सास की मृत्यु की प्रार्थना की है। यह घटना इतनी अजीब थी कि मंदिर प्रबंधन सहित स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। यह मामला अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोग इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इस घटना को अंधविश्वास से जोड़कर देख रहे हैं, तो कुछ इसे एक व्यक्तिगत दुख का प्रतीक मान रहे हैं।

मंदिर प्रबंधन ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और कहा है कि वे इस मामले में कोई भी कार्रवाई नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह एक व्यक्तिगत मामला है और मंदिर किसी भी तरह से इसमें शामिल नहीं है।

भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर अत्याचार का प्रतीक

बीपीएससी आंदोलन पर प्रियंका गांधी ने कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को पटना में छात्रों को कथित रूप से प्रताड़ित करने के लिए बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की आलोचना की। बीते रविवार को पटना पुलिस ने 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और उन पर पानी की बौछार की। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार, धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है। इस कड़ाके की ठंड में युवाओं पर पानी की बौछार और लाठी चार्ज करना अमानवीय है। भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर डबल अत्याचार का प्रतीक बन गया है। बता दें कि व्यापक अनियमितताओं के आरोपों को लेकर परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों ने गांधी मैदान के पास धरना दिया तथा पुलिस के हस्तक्षेप के बावजूद सड़क खाली करने से इनकार कर दिया।

150 साल पुरानी प्रयागराज की धरोहर का दीदार कर सकेंगे महाकुंभ आने वाले श्रद्धालु

महाकुंभ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ भारत की सनातनी परंपरा का धार्मिक और सांस्कृतिक महापर्व है। जनवरी 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने जा रहे इस महापर्व को दिव्य और भव्य स्वरूप देने में जुटी प्रदेश की योगी सरकार इसकी परंपराओं का संरक्षण करते हुए कुंभ नगरी की सांस्कृतिक धरोहरों का भी संरक्षण कर रही है।

प्रयागराज शहर की एक धार्मिक पहचान होने के साथ ही कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के साथ भी इसका नाम जुड़ा है। इसी के अंतर्गत आता है नगर निगम परिसर स्थित भवन, जिसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रयागराज नगर निगम

द्वारा करवाया जा रहा है। ब्रिटिश काल में सन् 1865 के करीब संगम नगरी में बने सबसे पुराने 'ग्रेट नॉर्दर्न' होटल और बाद में नगर निगम कार्यालय में तब्दील इस 150 वर्ष से अधिक पुराने भवन का 9 करोड़ रुपये की लागत से जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। कायाकल्प के बाद प्रयागराज वासियों समेत महाकुंभ में आने वाले पर्यटक भी यह ऐतिहासिक भवन देख सकेंगे।

नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग का कहना हैं कि यह भवन प्रयागराज की धरोहर है, इसे संरक्षित रखने की पहल नगर निगम ने की है। महाकुंभ से पहले इस भवन के जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा। अपने नए रंग रूप में यह भवन पर्यटकों को आकर्षित करेगा। इस ऐतिहासिक इमारत में आजादी के पूर्व देश की आजादी में हिस्सा लेने वाले बुद्धिजीवी समाज की बैठकें होती थीं। 1930 के दशक में ब्रिटिश सरकार ने इस भवन को प्रशासनिक भवन में तब्दील कर दिया था।

प्रयागराज नगर निगम के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सलाहकार सूरज वीएस ने बताया कि दिसंबर 2020 में नगर निगम के भवन में एक कमरे की छत गिर गई थी, इसके बाद इस पूरे भवन को गिराकर नया भवन बनाने पर विचार किया गया था। डेढ़ सौ साल से अधिक पुराने भवन को गिराने से पहले पुरातत्व विभाग से राय ली गई। एएसआई, एमएनआईटी प्रयागराज और आईआईटी मुम्बई से इस भवन के विषय में परामर्श लिया गया। 2020-21 में एएसआई की रिपोर्ट आने के बाद नगर निगम की इस बिल्डिंग को धरोहर बताते हुए इसका संरक्षण करने की सलाह दी गई।

पंजाब बंद का व्यापक असर: हाईवे व रेलवे ट्रैक जाम, दिनभर यात्री रहे परेशान, 150 ट्रेनें रद्द

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा-पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर चल रहे आंदोलन के समर्थन में सोमवार को किसानों ने अपने पंजाब बंद के आह्वान के तहत जगह-जगह प्रदर्शन किया, जिसका प्रदेश में व्यापक असर देखने को मिला। सुबह 7 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक किसान ने 140 जगहों पर हाईवे और रेलवे ट्रैक को जाम किया।

इस दौरान अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, फगवाड़ा व मोहाली में यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। चंडीगढ़-दिल्ली हाईवे को भी धरने लगाकर किसानों ने जाम कर दिया। पठानकोट और जम्मू कश्मीर को जाने वाले रास्ते में पड़ते बॉर्डर क्षेत्र में कथलोर पुल को भी किसानों ने बंद कर दिया, जिस कारण पंजाब का जम्मू-कश्मीर से संपर्क कट गया।

किसानों व व्यापारियों में बाजार बंद करने को लेकर लुधियाना में बहस भी हुई। यहां चौड़ा बुजार खुला रहा। इसी तरह परेशानी झेल रहे यात्रियों ने भी किसानों का विरोध किया और आरोप लगाया कि इमरजेंसी सेवाओं के लिए भी लोगों को भी जाने नहीं दिया गया।

किसान नेता सरवण सिंह पंधेर ने कहा कि किसी की जबरदस्ती दुकानें नहीं बंद करवानी पड़ी। व्यापार मंडल, आढ़ती एसोसिएशन, जत्थेबंदियों और यूनियनों का समर्थन मिला। 140 जगहों रेलवे व हाईवे को जाम किया गया और 270 जगहों पर प्रदर्शन भी हुआ। किसानों के बंद की वजह से रेलवे ने वंदे भारत समेत 150 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया और दर्जनों को री-शेड्यूल भी किया गया। देर शाम टिकट का रिफ्ंड भी जारी कर दिया गया।

फगवाड़ा, जालंधर और लुधियाना में रेलवे यात्री भी परेशान हो रहे। पंजाब बंद की वजह से गरीब तबके के लोग जो दिहाड़ी लगाकर दो वक्त की रोटी खाते हैं उनके लिए परेशानी हुई है। फगवाड़ा में एक मजदूर का दर्द छलका और उसने कहा कि पंजाब बंद होने की वजह से उनकी दिहाड़ी नहीं लगी। सरकार को उनका भी सोचना चाहिए।

576 रूट पर चलने वाली बसें बंद

पंजाब से 8 राज्यों के लिए 576 रूट पर चलने वाली बसें भी बंद रहीं। हरियाणा और हिमाचल समेत दूसरे राज्यों की बसें भी पंजाब में नहीं आईं। गैस और पेट्रोल पंप के साथ बाजार भी बंद किए गए।

पठानकोट में रोकी बरात, दूल्हा धरने पर पहुंचा

पंजाब बंद के दौरान पठानकोट में बरात को भी किसानों ने रोक दिया। इस दौरान दूल्हा भी किसानों के हक में धरने में कुछ देर के लिए शामिल हुआ। जालंधर में भी दूल्हा जाम में फंस गया और किसान यूनियन का झंडा लेकर धरने में शामिल हुआ।

धरने पर बैठे विधायक

फगवाड़ा के हाईवे पर स्थित शुगर मिल चौक पर किसानों के धरने में जिला कपूरथला कांग्रेस प्रधान व स्थानीय विधायक बलविंदर सिंह धालीवाल शामिल हुए और धरने पर बैठे बैठ गए। पंजाब खन्ना में किसानों ने बाजार बंद करवाए। किसानों ने जबरदस्ती खुली हुई दुकानों को भी बंद करवा दिया, लेकिन शराब के ठेके खुले रहे।

सुप्रीम कोर्ट 31 दिसंबर को करेगा सेहत की समीक्षा, डल्लेवाल का अनशन 35 दिन से जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जगजीत सिंह डल्लेवाल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 35 दिन से जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बीमार किसान नेता के उपचार और उनकी सेहत ठीक रखने के लिए पंजाब सरकार ने क्या उपाय किए हैं, इसकी समीक्षा 31 दिसंबर को की जाएगी। डल्लेवाल की सेहत मामले में यह जानना भी अहम है कि पंजाब सरकार के अधिकारियों की एक टीम ने 29 दिसंबर को 70 वर्षीय डल्लेवाल के पास गई थी। उन्हें चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, लेकिन डल्लेवाल ने इनकार कर दिया।

अधिकारियों ने डल्लेवाल से विरोध स्थल से हटने की अपील भी की, लेकिन उन्होंने अनशन खत्म करने से साफइनकार कर दिया। अब इस मामले में बल प्रयोग की आशंका भी प्रकट की जा रही है। बता दें कि किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूक्क) की कानूनी गारंटी सहित कई मांगों को लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र पर दबाव बनाने के लिए बड़ी संख्या में किसान पंजाब-हरियाणा सीमा पर खनौरी में एकजुट हुए हैं।

किन जजों की पीठ में होनी है सुनवाई

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाश पीठ 31 दिसंबर को सुबह करीब 11 बजे मामले की वर्चुअल सुनवाई करेगी। बता दें कि शीर्ष अदालत में बीते 21 दिसंबर को शीतकालीन अवकाश हो गया था। अब 2 जनवरी, 2025 से नियमित अदालती कामकाज और मामलों की सुनवाई फिर से शुरू होगी।

29 दिसंबर को डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि डल्लेवाल का ब्लड प्रेशर बहुत कम है, जिसके कारण उन्हें बात करने में भी समस्या हो रही है। उनकी हालत दिन प्रतिदिन नाजुक होती जा रही है। नाजुक तबीयत को देखते हुए पंजाब सरकार के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय टीम ने डल्लेवाल से अनुरोध किया कि वे अनशन जारी रहने के बावजूद कम से कम चिकित्सा उपचार स्वीकार करें।

संक्षिप्त समाचार

इंटरस्कूल क्रिकेट टुर्नामेन्ट (14 वर्ष के अंदर के बच्चों का) सेमीफ़ाइनल मैच में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल बनारी जॉजगीर ने डिस्टनेशन पब्लिक स्कूल जॉजगीर को हराकर फायनल में प्रवेश..

जांजगीर चाम्पा समय दर्शन / /इंटरस्कूल अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे सेमीफाइनल मैच ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल विरुद्ध डेस्टिनेशन स्कूल में बिच खेला गया। आज के मैच में ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल जीत हासिल की। टीम के कप्तान ने टॉस जीत कर बल्लेबाजी का निर्णय लिया। जिस ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल ने 60 रन बनाए, मैंने ही अपने 2 विकेट खो दिए, समर 35 रन बनाए या उजैर जो टीम के धाकड़ बल्लेबाज है जल्दी पावेलियम चल दिए जिसके बाद रियान सलामी बल्लेबाज 40 रन का योगदान दिया अर्जुन के साथ मिलकर पार्टनरशिप करके टीम का स्कोर बनाया 120 के पार ले गए .ब्रिलियन पब्लिक स्कूल ने 30 ओवर मी 180 का टारगेट डेस्टिनेशन स्कूल के सामने रखा। डेस्टिनेशन की टीम की शुरुआत अच्छी रही बिना विकेट खो कर तेजी से रन बनाएं लेकिन टीम के गेंदबाज अधिष्ठित या उजैर ने मिल कर अच्छी गेंदबाजी कर विकेट लेकर डेस्टिनेशन स्कूल की टीम को बैकफुट पर ढकेला। साथ ही हिमांशु 1 विकेट, उजैर 3 अधिष्ठ 3 विकेट, प्रियांश 1 विकेट लेकर। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल की टीम ने सेमीफाइनल में डेस्टिनेशन स्कूल की टीम को हारा कर फाइनल में अपनी जगह बनाई। टीम के ओपनर गेंदबाज अधिष्ठित आज के मैच के मैन ऑफ द मैच रहे। टीम के इस बेहतर प्रदर्शन को ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल के निदेशक श्री आलोक अग्रवाल और प्रिंसिपल श्रीमती सोनाली सिंह ने प्रशंसा की और सराहा एवं साथ ही पूरी टीम को टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने की शुभकामनाएं दीं।

बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने 13 जनवरी से होगा कैम्प का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) मुंगेली जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए 13 जनवरी से तीनों विकासखण्डों में कैम्प का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि कैम्प के दौरान एस.आईएस. जशपुर में भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत पथरिया में 13 व 14 जनवरी, जनपद पंचायत लोरमी में 15 व 16 जनवरी, जनपद पंचायत मुंगेली में 17 जनवरी और 18 जनवरी को लाईवलीहुड कॉलेज परिसर जमकोर में प्रातः 10 से शाम 04 बजे तक कैम्प का आयोजन किया जाएगा।

चिखली वार्ड नंबर 6 से सन्नी वर्मा की प्रबल दावेदारी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों के आम चुनाव के तारतम्य में जिले के सभी नगरीय निकायों के पार्षद पदों के लिए आरक्षण की प्रक्रिया जिला पंचायत के सभागार में गुरुवार 19 दिसंबर को संपन्न हुई। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही अब पार्षद चुनाव लड़ने राजनीतिक सरगर्मी बढ़ना तय हो गया है, जिसमें इस बार चिखली वार्ड नंबर 6 ओबीसी पुरूष आरक्षित घोषित किया हुआ है। इसी कड़ी में सन्नी वर्मा ने अपनी प्रबल दावेदारी भाजपा से की है।

श्री वर्मा राजनांदगाव के चिखली वार्ड नंबर 6 मे ऐसे तो कई उम्मीदवार है, जो अपनी दिली इच्छा व्यक्त कर रहे है। पार्षद चुनाव लड़ने की फिर चाहे वो कोई भी राजनीतिक पार्टी से हो, पर एक नाम लोगों की दिली इच्छा से निकल रहा है। वार्ड नंबर 6 के निवासरत, चिखली चौक के हरी कृष्णा डेयरी बेकरी के संचालक सन्नी वर्मा का जो की अपने मिलनसार और व्यावहारिक प्रवृत्ति के लिए जाने जाते है। धार्मिक हो या सार्वजानिक कार्य या लोगों की मदद के लिए वे हमेशा तत्पर और तैयार रहते है। बच्चे, युवा वर्ग या बुजुर्ग वर्ग के लोग हो अपनी अच्छी व्यावहारिक छवि के कारण उन्होंने कम उम्र में लोगों के दिलों में जगह बनाई है, जिसके चलते क्षेत्र के निवासरत लोगों की दिली इच्छा है कि वे पार्षद चुनाव लड़े और लोगों की जो जन समस्या है, उनका निराकरण करें, उनसे क्षेत्रवासियों ने बहुत से उम्मीदें लगायी हुई है और लोगों का कहना है कि उनकी दावेदारी प्रबल है, वे चुनाव लड़े और उनकी जीत की दिशा अभी से लोगों के मन से नजर आ रही है। श्री वर्मा वार्ड में सभी कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। साथ ही वार्ड के लोगों के साथ अच्छा मधुर व्यवहार है, इसके अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सहित कार्यकर्ताओं के साथ अच्छा ताल-मेल हैं। चिखली वार्ड नंबर 6 की जनता में श्री वर्मा की दावेदारी से खुशी की लहर दौड़ गई है।

मुंगेली पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देशन में मुंगेली पुलिस की कार्यवाही

कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम नवापारा खार में 08 आरोपी के कब्जे से 41900 रूपये व ग्राम खर्राघाट में 04 आरोपी के कब्जे से 5210 रूपये कुल 47000 रूपए जप्त

मुंगेली (समय दर्शन) पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के द्वारा जुआ सट्टा आबकारी एक्ट अवैध रूप से गांजा तस्करी करने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने निर्देशित किया गया परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, अनुविभागीय अधिकारी एस.आर.घृतलहरे के मार्गदर्शन पर थाना व साइबर सेल की टीम गठित कर मुखबिर सुचना पर 02 प्रकरण जुआ एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमे ग्राम नवापारा खार में 1. शिवराज पिता सन्तु उम्र 37 वर्ष साकिन धनगांव 2 प्रदीप कुमार पिता विरेन्द्र उम्र 32 वर्ष निवासी मानिकपुर 3 अयोध्या जोशी पिता शिवराज उम्र 43 वर्ष निवासी ठक्कर वार्ड मुंगेली 4. भुवन आहिरे पिता मोहित उम्र 24 वर्ष 5. कृष्णा जांगड़े पिता मनोहर उम्र 31 वर्ष निवासी हेडसपुर 6. रामकुमार आहिरे पिता अमरदास उम्र 31 वर्ष निवासी ढ नवापारा मुंगेली 7. नरेश जांगडे पिता आत्माराम उम्र 33 वर्ष निवासी हेडसपुर 8 सुनील कुमार पिता अशोक कोशले उम्र 36 वर्ष निवासी चातरखार मुंगेली को आम जगह पर रूपये पैसे का दांव लगाकर काटपत्ती से हार जीत नामक जुआ खेलते पाये जाने से नगदी रकम 41900 रूपये जप्ती कार्यवाही कर आरोपीगण के विरुद्ध अपराध क 517/24 धारा छ ग. जुआ प्रति.अधि. की धारा 3(2) की कार्यवाही की गई व ग्राम खर्राघाट बड़े पुलिया के पास मुंगेली में आरोपीगण 1. इनदास भास्कर पिता महासिंग उम्र 54 वर्ष निवासी चातरखार 2. खुमानदास मानिकपुरी पिता अनुपदास उम्र 29 निवासी शिवाजौ वार्ड मुंगेली 3. बसंत उर्फछोटा-पिता आनंद सोनकर उम्र 23 वर्ष निवासी रामगढ़ 4. रामगोपाल दुबे पिता रामकृपाल उम्र 40 वर्ष निवासी परहंस वार्ड मुंगेली को जुआ खेलते पकड़े जिनके कब्जे से नगद रकम 5210 रूपये 52 पत्ती तास अधजली मोमबत्ती माचिस जप्त कर आरोपीगण को गिरफ्तार कर आरोपीगण, के विरूद्ध अपराध क्र. 518/24 धारा छ.ग. जुआ प्रति.अधि. की धारा 3(2) की कार्यवाही की गई उक्त कार्यवाही में निरीक्षक संजय सिंह राजपूत प्रभारी सायबर सेल मुंगेली सउनि मधुकर प्र.आर. राजेश बंजारे दयाल गवास्कर लोकेश राजपूत यशवंत बाहिरे आर भेषज पाण्डेकर राजु साहू अतुल ठाकुर हेम सिंह, महेन्द्र ठाकुर गिरीराज सिंह, राकेश बंजारा की अहम भुमिका रही

स्विगी के साथ 2024 में रायपुर के खाने की कहानी: 1.53 लाख बिरयानी, 67.5 हजार पनीर ग्रेवी और 10 हजार चॉकलेट लावा केक!

रायपुर। रायपुर के फूड सीन में अलग-अलग स्वाद का जीवंत ताना-बाना दिखता है, जिसमें इसकी जनजातीय विरासत एवं पड़ोसी राज्यों के प्रभाव की झलक है। 2024 मेंस्विगी ने न केवल फूड डिलीवरी की, बल्कि रायपुर की जीवंत खाद्य संस्कृति को भी निखारा। बात चाहे स्थानीय स्ट्रीट वेंडर से पानी पूरी के मसालेदार स्वाद को डिलीवर करने की हो या किसी लोकप्रिय रेस्तरां से पनीर बटर मसाला का मलाईदार स्वाद डिलीवर करने की, स्विगी ने हर भोजन को एक रोमांच में बदल दिया है।

लोकल फूड ट्रेंड्स, जिसने 2024 में रायपुर को परिभाषित किया : लोकल फ्लेवर्स की सहूलियत और वैश्विक व्यंजनों के रोमांच को साथ लाते हुए स्विगी भारत के विविधता से पूर्ण एवं बदलते फूड सीन का परफेक्ट मैच है!

शहर के पसंदीदा व्यंजन : 1.53 लाख ऑर्डर के साथ 'बिरयानी' मिशन ने सबको अनूठा स्वाद दिया। साथ ही 67.5 हजार ऑर्डर के साथ पनीर ग्रेवी ने भी अपना 'ग्रेवी-टेशनल' आकर्षण दिखाया। 61.7 हजार ऑर्डर के साथ वेज थाली भी किसी से पीछे नहीं है!

ये मीठे व्यंजन भी मिठाई की दुनिया के निर्विवाद सितारे हैं! 10 हजार ऑर्डर्स के साथ चॉकलेटलावाकेकने लोगों के पिघले दिलों को स्वाद से भर दिया।

आल फ्रूई ने क्रिस्पी चैंपियन के रूप में राज किया, वही वेज सैंडविच ने वेजी हीरो के रूप में चमक दिखाई। चिकन रोल ने भी लोगों के पसंदीदा स्नैक्स में जगह बनाई है।

शहरमें पिज्जा पार्टियों के लिए भी प्यार दिखा। एकयूजरने 10 फीस्ट वेजएक्स्ट्रावैगन्जा पिज्जा, 10 फार्महाउस पिज्जा,10 पैराडाइज पिज्जा और 3 मैक्सिकन ग्रीन पिज्जा पर करीब 15,805 रुपये खर्च किए।

रायपुर का खास अंदाज!

आईपीएल 2024 के दौरान, प्रशंसकों ने 32 हजार चिकन बिरयानी का ऑर्डर दिया! अगर खिलाड़ियों को इसका स्वाद मिल जाता, तो वे शायद एक प्लेट के लिए ही खेलते!

रायपुर में उत्सव और मीठे को साथ लाने की कला भी सीखी है। दिवाली और दुर्गा पूजा के दौरान चॉकलेट की चाहत के अलावारायपुर ने खीर कदम खोया बर्फी, होल व्हीट केक और काजू रोल का भी लुत्फ उठाया। नई ऑफरिंग्स का प्रयोग!

रायपुर ने इनकॉग्निटो मोड से 1,000 सीक्रेट ऑर्डर दिए। यह ऑर्डर किसी फूड निंजा की तरह थे, जिन्होंने पीछे कोई निसान नहीं छोड़ा।

? ट्रेन के सफर में भोजन की प्लेट ने भी लोगों को रोमांचित किया। आईआरसीटीसी के माध्यम से 1,685 ऑर्डर किए गए। उम्मीद है कि ऐसे और भी अनशेड्यूल्ड स्नैक स्टॉप आएंगे।

स्वास्थ्य सुविधा का विस्तार अब जिला चिकित्सालय जांजगीर में होगा 03 दिवस सोनोग्राफी की सुविधा

जांजगीर चांपा समय दर्शन / स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा लगातार स्वास्थ्य सुविधा में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण की जा रही है। इसी तारतम्य में कलेक्टर श्री आकाश छिकारा एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वाती वंदना सिसोदिया के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय जांजगीर में 01 जनवरी 2025 से सप्ताह में 03 दिवस (प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को गर्भवती माताओं तथा प्रत्येक बुधवार को गर्भवती माताओं के साथ एवं अन्य सोनोग्राफी) की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

सिविल सर्जन सह-मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. दीपक जायसवाल ने बताया कि गर्भवती माताओं के लिए निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध होने से उच्च जोखिम वाले गर्भवती माताओं को सही समय पर उपचार के साथ ही साथ उनको आर्थिक दृष्टि से भी लाभ मिलेगा एवं दूर दराज से आये गर्भवती माताओं को सोनोग्राफी के लिए निजी संस्थाओं में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। उन्होंने ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है सोनोग्राफी की सुविधा जिला चिकित्सालय में कक्ष क्र. 15 मे उपलब्ध है तथा गर्भवती माताओ से आग्रह किया है कि जब भी अस्पताल में सोनोग्राफी के लिए आयें तो अपने साथ अपना आधार कार्ड लेकर जरूर आये।

आबकारी विभाग के लोकेशन ऑफिसर रजत दुबे पर कार्यवाही करवाने अपर कलेक्टर व एएसपी से मिले जिलाध्यक्ष शमसुल आलम

राजनांदगांव (समय दर्शन)। 2 दिन पूर्व जिला अध्यक्ष शमशुल आलम ने कलेक्टर के नाम अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा तोमर को रजत दुबे के खिलाफ शिकायत कर ज्ञापन सौंपा था, परंतु 2 दिन बाद भी जब कार्रवाई नहीं दिखे, तो बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ अपर कलेक्टर श्रीमती तोमर से मिलने कलेक्टर पहुंचे हुए थे। अपर कलेक्टर ने संज्ञान में लेते हुए तत्काल अपने असिस्टेंट से लेटर मंगवाया वह संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। साथ ही सूत्रों के हवाले से खबर मिली है कि नए साल में शहर के आसपास स्थित ढाबों में शराब पिलाने की पूरी तैयारी लोकेशन ऑफिसर के आश्वासन पर हो चुकी है, जिसे जिलाध्यक्ष शमसूल आलम ने तोमर के संज्ञान में लाया, जिसमें अधिकारी ने तत्काल एडिशनल एसपी को फोन कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। साथ ही श्री आलम को एडिशनल एसपी राहुल देव शर्मा से मुलाकात करने कहा। श्री आलम ने अपनी सक्रियता का परिचय देते हुए तत्काल अपने कार्यकर्ताओं के साथ एसपी ऑफिस पहुंचकर एडिशनल एसपी श्री शर्मा से मुलाकात कर सारे माजरे को समझाया। तत्काल प्रभाव से कार्यवाही करने एडिशनल एसपी श्री शर्मा ने आश्वस्त किया है। कार्यवाही न होने की स्थिति में जोगी कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट के सामने चक्काजाम करने की बात कही है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शमसूल आलम के साथ, जिला उपाध्यक्ष मिलाप बघेल, ओबीसी जिला अध्यक्ष आकाश साहू, जिला महासचिव नमन पटेल, जिला सचिव शुभम भालाधरे, जिला सचिव ऋषभ रामटेक, यश रामटेके, महेश मेश्राम, राजकुमार मेश्राम, राकेश, ईश्वर देवांगन, अजय शेंडे, मनीष झाड़े, लक्की मेश्राम, शिमू सहित 50 की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गीता उपदेश के साथ रेंगाकठेरा शिव महापुराण कथा का हुआ समापन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। रेंगाकठेरा मे कथा के आखरी दिन हजारों की संख्या में भक्तों ने आचार्य पं. युवराज पाण्डेय के श्रीमुख से कथा का श्रवण किया गया। जगन्नाथ आरती और देवी जसगीत के साथ किया गया।

आचार्य पं. युवराज पाण्डेय ने अपने आखरी दिन की कथा में भगवत गीता का उपदेश देते हुए बताया कि जिस समय कुरूक्षेत्र के मैदान पर कौरवो और पांडवों का युद्ध होने वाला था, इस समय शंखनाद होने के बाद अर्जुन अपने गांडीव धनुष के साथ ही व्याकुल हो उठते हैं, तब जाकर भगवान श्री कृष्ण कुरूक्षेत्र के बीच मैदान में अर्जुन को गीता का ज्ञान देते हुए ज्ञान योग, कर्म योग और भक्ति योग का उपदेश देते हुए कहा कि कर्म योग कर्म के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करने का एक तरीका है। इसमें व्यक्ति अपने कर्मों को बिना किसी अपेक्षा के करता है, और फल की चिंता नहीं करता। भक्तियोग भक्ति के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार प्राप्त करने का एक तरीका है। इसमें व्यक्ति भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति का अभ्यास करता है।

गीता पाठ के बाद आरती सीता राम लेले भैया जय के बेरा सीता राम लेने के साथ कथा समापन व गीतादान व महाप्रसादी भंडारा कराया गया, जहांदूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद लिये व प्रसाद वितरण में सहयोग प्रदान किये। समस्त क्षेत्रवासियों व ग्रामवासियों बाल युवा मंडल परदेशी साहू, ओमप्रकाश साहू, गणेश साहू, देवांक ठाकुर सहित अन्य पूरे 9 दिन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

ग्राम पिपरडुला में बाबा गुरु घासीदास जी की भव्य जयंती समारोह सम्पन्न

पंथी नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन, भारी बरसात में भी उमड़ा जनसैलाब

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन) जिले के सरसींवां तहसील अंतर्गत ग्राम पिपरडुला में बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि भारी बारिश के बावजूद स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उत्साहपूर्वक आयोजन का आनंद लिया।

तीन वर्षों से हो रहा आयोजन 26/27/28 दिसंबर को यह भव्य आयोजन ग्राम पिपरडुला में लगातार तीन वर्षों से हो रहा है। पहले दिन शोभायात्रा निकाली गई और बाबा गुरु घासीदास जी की पालो चढ़ाई गई। रात्रि में पंथी नृत्य, मंगल गायन, भजन, और बाबा से जुड़े विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ ही विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कार वितरण 29 दिसंबर को किया गया व संपन्न हुआ समारोह।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने दिए प्रेरणादायक संदेश- कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच श्रीमती सुकमनी डी.पी. कुर्रे ने नारी सशक्तिकरण और शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों को शिक्षित बनने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि कशीश जांगड़े (कृषि स्नातक और पत्रकार सारंग सार), केशव टांडेल (प्रधान पाठक), नेतराम यादव, भगवानदास तेंदुलकर, प्रवेश भारती सहित अन्य गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पंथी नृत्य और भजन गायन में पुरस्कार वितरण

पंथी नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 1,00,01 रुपये आदर्श झंकार पंथी पार्टी, रायपुर को दिया गया, जो सरपंच श्रीमती सुकमनी डी.पी. कुर्रे द्वारा प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार 5,001 रुपये सुहाना पंथी पार्टी, गगोरीटांडा को काशिश जांगड़े द्वारा दिया गया। तृतीय पुरस्कार सत के अंजोर पंथी पार्टी 3,001 रुपये केशव टांडेल द्वारा, चतुर्थ पुरस्कार 2001 अमर ज्योतिपंथी पार्टी आयोजक समिति द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही मंगल गायन में प्रथम पुरस्कार 2001 रुपया नेतराम यादव द्वारा सुखराम मल्दा को, द्वितीय पुरस्कार 1501 रुपया बुन्दबाई भिनोदा को भगवान दास द्वारा दिया गया, तृतीय पुरस्कार नरमदा बाई गायदरहा को 1001 परवेश भारती के व्दारा दिया गया।

संतों का प्रवचन और गुरु ज्ञान का प्रसार- गुरु गद्दी पर विराजमान संत शिरोमणि महाबली टंडन ने बाबा गुरु घासीदास जी के आदर्शों और नियमों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। बाहर से आए कलाकारों और प्रवचनकर्ताओं ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

उत्तम भोजन व्यवस्था और सफल संचालन- समारोह के दौरान बाहर से आए कलाकारों और सभी उपस्थितों के लिए उत्तम भोजन व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का सफल संचालन चंद्र कमल टंडन, कमलेश कुर्रे, शशिकांत नारंग, तरुण प्रकाश टंडन, लकेश्वर , रोहित, हेमंत विजय व समिति के अन्य सदस्यों ने किया।

हर साल बढ़ रहा है आयोजन का महत्व- दिसंबर माह में आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक बनता जा रहा है। गुरु घासीदास जी के ज्ञान और आदर्शों का प्रचार-प्रसार इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है।

धन्यवाद ज्ञापन- आयोजन समिति ने सभी सहयोगकर्ताओं और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह भव्य आयोजन सफल हुआ।

सार समाचार

युवती से दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

रायपुर(समय दर्शन)। युवती से दुष्कर्म कर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया के परिचित आरोपी दीपक शर्मा ने उसे अपने परिवार वालों से मिलवाने के लिए अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। जिसके बाद आरोपी ने पीड़िता को वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए 90 हजार रुपए की मांग किया। प्रार्थिया की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने आरोपीं के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

घर के बाहर खड़ी बाइक पार

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम छतौद में घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात चोर ने पार कर दी। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आनंदी राम कुर्रे 49 वर्ष केवतरा नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 केवाय 2674 को ग्राम छतौद में अपने रिश्तेदार के घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 15 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

खौलते लावा में गिरे 2 क्रेन

रायपुर(समय दर्शन)। सिलतरा स्थित हिंदुस्तान कॉइल्स लिमिटेड प्लांट में बड़ा हादसा हुआ है। प्लांट में क्रेन से खौलते लावा में गिरने से 2 मजदूर जिंदा जल गए। हादसा शनिवार देर रात हुआ। सिलतरा चौकी के प्रभारी सब इंस्पेक्टर बालेश्वर लहरे के अनुसार रात 12.30 बजे के आस-पास यह हादसा हुआ। हिंदुस्तान कॉइल लिमिटेड कंपनी लोहे की प्लेट, एंगल और ब्लेड बनाने का काम करती है। क्रेन में गर्म लोहे के लावे को एक जगह से दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा रहा था। ट्रांसफर का काम चल ही रहा था, तभी क्रेन टूट कर जमीन पर गिर गई। दोनों क्रेन ऑपरेटर गर्म लावे की चपेट में आ गए। लहरे के अनुसार क्रेन के मलबे में दबे ऑपरेटर्स के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अंबेडकर अस्पताल भेजा गया है। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। मृतकों में एक मजदूर जितेंद्र श्रीवास (32) बिलासपुर का रहने वाला था। वहीं, दूसरा मजदूर सोनू राय (30) बिहार का रहने वाला था, दोनों ही क्रेन ऑपरेटर थे।

जैन समाज सादगी भक्ति भाव से मंदिर में मनाएं नया साल : मुनि सुधासागर

पौष कृष्ण चतुर्दशी पर बड़ा मंदिर में पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक व शांति धारा

रायपुर(समय दर्शन)। आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) मालवीय रोड में पौष कृष्ण चतुर्दशी तिथि पर श्रावक गणों ने पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष प्रतिदिन चल रही आध्यात्मिक प्रयोगशाला शिविर में पार्श्वनाथ भगवान का रजत कलशों से विशेष अभिषेक,शांति धारा,एवं पूजन किया। मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि आज सुबह 8.30 बजे श्रावक गणों ने जिनालय पहुंच कर शुद्ध धोती दुपट्टे धारण किए। मंगलाष्टक पाठ पढ़ कर प्रासुक जल को जल शुद्धि मंत्र पढ़ कर अभिषेक का जल शुद्ध किया। सभी ने अभिषेक पाठ पढ़ कर 23 वे तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा को नाचते गाते जयकारों के साथ लाकर, पांडुशिला में श्रीकार लेखनं कर विराजमान किया। उपस्थित सभी श्रावकों ने श्रीजी का रजत कलशों से समता भाव पूर्वक अभिषेक किया एवं रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा भी की गई। आज की शांति धारा करने का सौभाग्य राज जैन एवं नमन जैन को प्राप्त हुआ। आज की शांति धारा का मंत्रोच्चार से शुद्ध वाचन कोषाध्यक्ष दिलीप जैन गुढियारी द्वारा किया गया। शांति धारा उपरांत सभी ने भगवान की संगीतमय भक्ति भाव से आरती कर अपना जीवन धन्य किया। अंत में सभी ने अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य चढ़ा कर आज देव, शास्त्र,गुरु पूजन,एवं पार्श्वनाथ भगवान का पूजन कर ? ह्रीं श्री पार्श्वनाथ जिनेन्द्राय अनर्घ्य पद प्राप्तये अर्घ्यं निर्वपामीति स्वाहा मंत्रों से अर्घ्य समर्पित किए। अंत में विसर्जन पाठ कर पूजन विसर्जन किया गया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रेयश जैन बालू,प्रवीण जैन मामा जी, ट्रस्टी संजय जैन सतना, कोषाध्यक्ष दिलीप जैन,उपाध्यक्ष लोकेश जैन,मनीष जैन,आदेश जैन,संदीप जैन,निकेश जैन,समित जैन,कृष जैन एवं मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन उपस्थित थे। मुनि सुधासागर महाराज जो कि मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में वर्तमान में विराजमान है वह से उन्होंने समूचे देश के जैन समाज के लिए अपना संदेश प्रसारित किया है। इसमें वे नए साल का स्वागत अपने-अपने नगर में मंदिर में मनाने का समाज से आह्वान कर रहे हैं। नववर्ष आगमन होने वाला है। इसको लेकर हर व्यक्ति और समाज अपने स्तर पर नए साल के स्वागत को लेकर तैयारियां और प्लानिंग कर रहा है।

यातायात सुगम बनाने 25 चौराहों को किया गया कब्जामुक्त

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व एवं उप मुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरुण साव के मार्गदर्शन में रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर लाल उम्मेद सिंह के निर्देशानुसार रायपुर जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग द्वारा संयुक्त पहल करते हुए राजधानी शहर रायपुर के विभिन्न मार्गो का यातायात सुगम एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए कार्य एवं प्रयास जनहित में जनसुविधा को दृष्टिगत रखकर किया जा रहा है. शहर के विभिन्न 25 चौराहों के कब्जे हटाकर वहाँ सुगम यातायात नागरिकों को देने स्थाई रोटरी का निर्माण करवाया जा रहा है. यातायात की सुगमता हेतु भाठागांव चौक से काठाडीह तक के मार्ग में चौड़ीकरण का कार्य शीघ्र किया जा रहा है. विभिन्न मार्गो में व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार मार्ग विभाजक का निर्माण किया जा रहा है. मेक इन इंडिया मार्ग चौक , अवन्ति विहार मार्ग में नई सड़क का निर्माण करवाया जा रहा है. नए केबल निर्माण भी विभिन्न मार्गो में लगातार प्रगति पर है, ताकि मार्ग को सुव्यवस्थित स्वरूप शीघ्र मिले. वहीं शंकर नगर चौक, लाखेनगर चौक, आईएसबीटी चौक में नए ट्रेफ्फिक सिग्नल लगवाए जा रहे हैं, ताकि शहर के मुख्य मार्गो पर यातायात सुगम एवं सुव्यवस्थित हो सके. रायपुर जिला प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, पुलिस प्रशासन, यातायात विभाग की संयुक्त पहल पर विभिन्न मार्गो को सुव्यवस्थित कर वहाँ नागरिकों को सुगम यातायात देने का कार्य तेज गति से निरन्तर प्रगति पर है. रायपुर जिला कलेक्टर के निर्देश पर जनहितकारी अभियान की सतत मॉनिटरिंग रायपुर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर लाल उम्मेद सिंह द्वारा की जा रही है.

पूर्व गृहमंत्री का आरोप : डीएमएफ में दस हजार करोड़ से ज्यादा का घोटाला

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पूर्व गृहमंत्री ननकी राम कंवर ने आरोप लगाया है कि जिला खनिज संस्थान निधि (डीएमएफ) में 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला हुआ है। उन्होंने कोरबा और दंतेवाड़ा जैसे जिलों में डीएमएफ और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए हैं। कंवर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डीएमएफ मद के कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने बताया कि कोरबा और दंतेवाड़ा समेत राज्य के सभी जिलों के डीएमएफ कार्यों की जांच सीबीआई और ईडी से कराने की मांग को लेकर वे पहले ही प्रधानमंत्री को पत्र लिख चुके हैं। कंवर ने कोरबा जिले में सोनालिया पुल के अंडरब्रिज निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्य डीएमएफ निधि से कराया जा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार ऐसा संभव नहीं है। उन्होंने मौजूदा कलेक्टर पर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए नियमों का उल्लंघन किया गया। पूर्ववर्ती कलेक्टर पर भी निशाना साधते हुए कंवर ने कहा कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर सैकड़ों करोड़ रुपये का घोटाला किया। उन्होंने कहा कि कमीशनखोरी के लिए मनमाने तरीके से कार्य स्वीकृत किए गए। इसके अंतर्गत सामग्री आपूर्ति, प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्ट्रीट लाइट, महिला समितियों को सामग्री वितरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, और उद्यान विभागों में स्तरहीन निर्माण और ऊंची कीमतों पर सप्लाई शामिल हैं। कंवर ने इस घोटाले की राशि 500 करोड़ रुपये से अधिक बताई। कंवर ने एसईसीएल खदानों जैसे दीपिका, कुसमुंडा और गेवरा में जमीन अधिग्रहण के मामलों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जमीन मालिकों को मुआवजा, पुनर्वास और नौकरी देने में भारी अनियमितताएं की गई हैं।

ईडी की छापेमार कार्रवाई राजनीति से प्रेरित : पूर्व मंत्री कवासी लखमा

रायपुर(समय दर्शन)। पूर्व मंत्री कवासी लखमा और उनके करीबियों के ठिकाने पर ईडी ने शनिवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। रायपुर, धमतरी और सुकमा में 10 से ज्यादा ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई की। वही पूर्व मंत्री के करीबी जयंत देवांगन को देर रात ईडी ने हिरासत में लिया। इधर ईडी की कार्रवाई को लेकर पूर्व मंत्री कवासी लखमा का बयान सामने आया है, पूर्व मंत्री ने इसे पक्षपातपूर्ण कार्रवाई बताया है। कवासी लखमा कहा कि छापेमारी की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में सरकार के खिलाफबहुत सारे मामले उन्होंने उठाए हैं, सरकार के खिलाफलगातार आवाज उठाने की वजह से ही उनके घर पर श्वष्ठ ने छापेमारी की है। कवासी लखमा ने कहा कि वो अनपढ़ है, पूरे मामले में अधिकारियों ने गड़बड़ की है। उन्होंने नाम लेते हुए कहा कि एपी त्रिपाठी जैसे अधिकारियों ने उन्हें अंधेरे में रखा, उन्हें घोटाले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कवासी लखमा ने कहा कि उनसे संपत्ति के बारे में ईडी ने जानकारी मांगी है। ईडी के अधिकारियों से लखमा ने कुछ वक्त देने को कहा है। कवासी ने कहा कि समय आने पर वो अपनी संपत्ति की पूरी जानकारी ईडी को उपलब्ध करा देंगे। कवासी लखमा ने बताया कि उनका और उनके बेटे के मोबाइल को ईडी ने जप्त किया है और अपने साथ लेकर गए हैं।

भाजपा में महिलाओं को मिलने वाली है बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर(समय दर्शन)। बीजेपी महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारी देने वाली है। ज्ञात हो कि लोकसभा में महिला आरक्षण बिल लाया गया है। इससे पार्टी में महिलाओं को बड़ी प्राथमिकता मिलेगी। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी महिलाओं को भी जिला अध्यक्ष बनाएगी। उनके नाम भी आए हैं, जिन्हें जल्द ही तय कर लिया जाएगा। साव ने कहा कि, भारतीय जनता पार्टी हमेशा नारी सशक्तिकरण को लेकर काम करती रही है। राजनीति में महिलाओं को अच्छी भागीदारी मिले। इसका प्रयास भारतीय जनता पार्टी करती है। लोकसभा में इसी वजह से महिला आरक्षण बिल लाया गया। प्रदेश में जारी संगठन चुनाव को लेकर केंद्रीय पर्यवेक्षक मध्य प्रदेश के सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि यहां से जो नाम मिले हैं। उन्हें दिल्ली भेजा जा रहा है। वहां से सहमति के बाद नामों की घोषणा जल्द की जाएगी। मंडल के निर्वाचन के साथ हमने जिला अध्यक्ष की भी प्रक्रिया पूरी की है। जिले के निर्वाचन अधिकारी जिले के पर्यवेक्षक और वहां के प्रमुख कार्यकर्ताओं से रायशुमारी की गई है। जातिगत समीकरण के आधार पर, फीडबैक और जो संगठन के लिए बेहतर काम कर सकते हैं। ऐसे नेताओं को मौका दिया जाएगा। 30 दिसंबर तक नामों के ऐलान की संभावना है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश के सीहोर में नर्मदा नदी की पूजा-अर्चना की.

कचहरी चौक में मिली युवक की लाश

रायपुर(समय दर्शन)। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित एसबीआई एटीएम के पास देर रात एक अज्ञात युवक की लाश पाई गई। शव पर कई चोटों के निशान थे, और प्रथम दृष्टया यह माना जा रहा है कि युवक की मौत शराब के नशे में गिरने से आई चोटों के कारण हुई है। मौदहापारा थाना क्षेत्र के टीआई ने बताया कि मृतक को शराब के नशे में मेकाहारा अस्पताल में रात करीब 12 बजे भर्ती कराया गया था। लेकिन बाद में वह अस्पताल से भाग निकला। रात करीब 2 बजे पेट्रोलिंग टीम ने उसे गिरते हुए देखा था। सूचना मिलने के बाद 112 की टीम ने शव को बरामद किया। घटनास्थल पर न तो खून का कोई निशान मिला और न ही मृतक के कपड़ों पर खून था। इसके बावजूद शव के कपड़े गीले थे, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि युवक गिरने के कारण घायल हुआ और बाद में उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है, और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का असली कारण स्पष्ट हो पाएगा।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता,समय का ध्यान रखें : ओ.पी. चौधरी

वित्त मंत्री ने रायगढ़ में अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

रायपुर(समय दर्शन)। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों से कहा कि अधोसंरचना विकास को लेकर जो भी प्रोजेक्ट बनाए जा रहे हैं उनका प्रस्ताव भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार करें। सड़क, पुल पुलिया, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्कूल कॉलेज तथा अन्य दूसरे विभागों से जुड़े के कामों की रूपरेखा आने वाले 20 सालों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए बनाए जाएं। ये प्रोजेक्ट ऐसे हों जो लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लेकर आएं। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने शनिवार देर शाम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम काज की गहन समीक्षा की। वित्त मंत्री ओपी चौधरी विभागीय अधिकारियों से उनके विभाग अंतर्गत चल रहे कार्यों और आगे की कार्ययोजना के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, लोक निर्माण विभाग, सेतु, पीएमजीएसवाय, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, जल संसाधन, नगर निगम, केलो परियोजना, ग्रामीण यांत्रिकी विभागों के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्वीकृत कार्यों को प्रारंभ करने और गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। इसके साथ इन विभागों में आगे के प्रस्तावित कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक कार्यों का प्रस्ताव तैयार कर विभाग प्रमुखों को भेजें। जिससे इन्हें बजट में शामिल किया जा सके। वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए। जितने भी निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं अधिकारी इनका नियमित निरीक्षण करें। क्वालिटी मॉनिटरिंग पर सभी का फोकस होना चाहिए। समय-सीमा में काम पूरा हो इसका ध्यान रखें। बैठक में पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल, सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, डीएफओ स्टाइलो मंडावी, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूने मकान से नकदी सहित लाख का जेवर पार

रायपुर(समय दर्शन)। हर्ष विहार कालोनी दलदल सिवनी स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 93 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर व अन्य सामान पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी आशीष रंजन 40 वर्ष हर्ष विहार कालोनी दलदल सिवनी का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और आलमारी में रखे नकदी 1 लाख 93 हजार रुपए सहित सोने-चांदी के जेवर, बर्तन पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब 8 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर मोवा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

संपादकीय

सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए

पिकेटी का सुझाव है कि भारत को जीडीपी-टैक्स अनुपात में सुधार कर अतिरिक्त संसाधन इकट्ठा करना चाहिए। उसका निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। बढ़ती आर्थिक गैर-बराबरी पर राजधानी में एक गंभीर चर्चा हुई। इसमें दो नजरिए उभर कर सामने आए। एक नजरिये की नुमानंदगी भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने की। उन्होंने कहा कि न्यायपूर्ण आर्थिक विकास को मापने का पैमाना आमदनी की गैर-बराबरी कम करना नहीं, बल्कि गरीबी घटाना है। उन्होंने दावा किया कि पूंजी पर टैक्स लगाने से निवेश नहीं बढ़ेगा, बल्कि पूंजी का पलायन शुरू हो जाएगा। उनका यह दावा भी दिलचस्प है कि समानता थोपने से सूक्ष्म एवं लघु व्यापार को अधिक क्षति पहुंचती है। ऐसी कोशिश को नागेश्वरन ने सीमा लगाने का अत्याचार बताया और कहा कि ऐसा करने पर छोटे कारोबारी छोटे ही रह जाएंगे। %गैर-बराबरी, आर्थिक वृद्धि एवं समावेशन' विषय पर हुई इस चर्चा में दूसरा पक्ष विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी रख चुके थे। पिकेटी ने अपनी चिर-परिचित राय रखी कि भारत को जरूरत जीडीपी-टैक्स अनुपात को सुधारने की है। उनका सुझाव है कि भारत को सबसे धनी एक फीसदी लोगों पर दो फीसदी धन कर लगाना चाहिए जाए और आय कर व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। इससे इकट्ठा अतिरिक्त संसाधनों का निवेश मुफ्त स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और इन्फ्रास्ट्रक्चर को सशक्त करने में किया जाना चाहिए। यही विकसित देश बनने का रास्ता है। मगर नागेश्वरन की बात से साफ है कि भारत सरकार इस नजरिए से बिल्कुल सहमत नहीं है। बहरहाल, चूंकि उन्होंने न्यायपूर्ण विकास को मापने का पैमाना गरीबों की संख्या में गिरावट को बताया, तो यह मुद्दा उठेगा कि आखिर गरीबी को मापने की कसौटी क्या हो? भारत सरकार ने सामान्यतः मान्य कसौटियों को ताक पर रखते हुए जो पैमाना अपनाया है, उसे इस क्षेत्र के विशेषज्ञ स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं। सबसे पहले तो सरकारी आंकड़े ही संदिग्ध होते गए हैं। उसे ठीक करने की जरूरत है। फिर बेहतर होगा, सरकार प्रति दिन प्रति व्यक्ति कैलोरी की उपलब्धता के पुराने पैमाने को आधार बनाए। उस पर देखा जाए, तो असल में गरीबों की संख्या बढ़ी है। फिर भी क्या नागेश्वरन कहने की स्थिति में हैं कि जिस सरकार के वे सलाहकार हैं, उसकी नीतियों से गरीबी में ह्रास हुआ है?

आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी

हरिशंकर व्यास

यथा राजा तथा प्रजा, हम हिंदुओं का शाश्वत सूत्र वाक्य है। तभी जैसा मोदी राज वैसे ही संसद, संविधान, कोर्ट-कचहरी, विपक्ष, मीडिया आदि उन तमाम संस्थाओं का आज व्यवहार है, जिससे देश, कौम, नस्ल, धर्म, सभ्यता की वह शर्म है जो आजाद भारत के इतिहास में बतौर कलंक निश्चित ही दर्ज रहेगी। ईमानदारी से सोचें, सन् 2014 में निर्वाचित संसद के काम से लेकर इस सप्ताह की संसदीय घटनाक्रम में ऐसा तनिक भी कुछ है जैसा कांग्रेस, विपक्ष या वाजपेयी राज में था? तब की संसद कैसी थी, कैसे चलती थी और वही अब मोदी राज की संसद का क्या अनुभव है? जाहिर है जैसा प्रधानमंत्री, वैसा राज और वैसे ही बाकी सब। जैसा मोदी राज है वैसा विपक्ष है। और दोनों में इतनी भी समझ नहीं कि संसद और उसका परिसर पूरे भारत, पूरे देश के प्रतिनिधित्व का विशेषाधिकारपूर्ण गरिमामय स्थान है। जैसे लाल किले के बादशाह का दरबार ए खास या दरबार ए आम हुआ करता था। उस स्थान पर यदि पानीपत के मैदान वाली लड़ाई की शत्रुता में लाठियां (तख्तियां, भीड़) लेकर सांसद लड़े और उसके फैसले में चांदनी चौक का कोतवाल जाचंकर्ता हो तो वह कौम के लिए शर्म, कलंक, डूब मरने वाली क्या स्थिति नहीं है? ऊपर से हुजूर (आज के नरेंद्र मोदी), उनके वजीर खुद ही संसद की तौहीन व अपमान के लिए कोतवाल को बुलाकर उसके कान में फुसफुसा कर कहें यह मेरा विरोधी है, इस पर चार्जशीट बनाओ और कचहरी से जेल में बंद करवा दो। सोचें, संसद और उसके सांसद कानून बनाने वालों के लिए उसी की व्यवस्था में, कानूननिर्माताओं की जगह में सांसदों के व्यवहार का जांतकर्ता, निर्णयकर्ता एक कोतवाल! लंदन की संसद, वेस्टमिनिस्टर या दुनिया के किसी भी सभ्य लोकतंत्र में यह नजारा कभी देखने को नहीं मिला (और न मिलेगा) कि सांसदों की भीड़ में धक्कामुक्की हुई, तो प्रधानमंत्री के सांसद तुरंत बगल की कोतवाली जा कर एफआईआर कराएं! दुनिया वीडियो पर यह नौटंकी देखे कि सिर पर एक चिपी, फिर पट्टी, फिर पूरा सिर मानो ऑपरेट हुआ हो जैसा बड़ा पट्टा दिखला नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ कोतवाल द्वारा ताउम्र कैद की तमाम धाराओं में जांच! सोचें, लाल किले के किस मुगल बादशाह या नेहरू से ले कर डॉ. मनमोहन सिंह के राज में ऐसा हुआ? खुद सत्तापक्ष अपनी ही विधायिका के सांसदों के झगड़े, धक्कामुक्की की कोतवाल के यहां रिपोर्ट दर्ज कराते हुए! यदि निर्वाचित सरकार, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की एक संसद की प्रक्रिया को भी शांतिपूर्ण ढंग से नहीं चलवा पाए, विपक्ष के शोर-गतिरोध और प्रर्दशन का समाधान बातचीत से नहीं निकाल पाए तो यह किस बात का प्रमाण है?

मोदी सरकार द्वारा चरित्र, बुद्धि और अपना कलंकित इतिहास बनाने का! तब संसद, संसदीय प्रक्रिया, नियमावली, स्पीकर, सभापति, उप सभापति, संसद नेता और प्रतिपक्ष नेता, संसदीय परिसर के कारिंदों आदि सबका क्या अर्थ है?

उफ! बुद्धि, दिमाग, बेशर्मी और अहंकार। मुझे बहुत झटका लगा जब सुना कि धक्कामुक्की हुई और नेता प्रतिपक्ष को टारगेट बना कर सरकार के सांसदों ने कोतवाल के यहां जा कर शिकायत दर्ज कराई! क्या पतन है नेहरू राज से मोदी राज का! कल्पना करें ऐसा ही वाकया यदि वाजपेयी-आडवाणी के राज में हुआ होता? पहली बात वे अपनी संसद में ऐसी नौबत नहीं आने देते कि पचास-पचपन साल के विधायिकी अनुभवी वाले सांसदों के मुंह से यह शिकायत सुनाई दे कि उन्हें बोलने नहीं दिया जाता! उनके माइक बंद हो जाते हैं! उनके मुद्दे, नोटिस, बहस की मांग नहीं मानी जाती आदि, आदि। दूसरी बात, वाजेपयी और आडवाणी दोनों नेता विपक्ष को बुलाकर मंत्रणा, मान मनौव्वल, मनाने या उनकी मांग मानने के लिए हमेशा तत्पर हुआ करते थे।

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया।

डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ? सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ? सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ? सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं।

पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है।

2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया।

डॉ. सिंह के राजनीतिक जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आये, जब सार्वजनिक तौर पर उनकी प्रतिष्ठा और उनके पद को कमतर दिखाने की कोशिश की गई। लेकिन फिर भी देश के लिए जीने और मरने की कसम खाने वाले डॉ. सिंह ने देश हित में अपमान के ये घूंट भी चुपचाप पी लिए। डॉ. मनमोहन सिंह को एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर भी कहा गया। 2019 में इसी नाम से फिल्म आई। यह संजय बारू की किताब पर बनी थी। डॉ. सिंह देशहित में नीतियां बनाने एवं राजनीति की नयी दिशाएं तलाशने में माहिर थे, उनका जीवन सफर राजनीतिक आदर्शों की ऊंची मीनार हैं, राजनीति का एक प्रकाश है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। वे गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, नीडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। बेशक डॉ. सिंह अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन अपने सफल राजनीतिक जीवन के दम पर वे हमेशा भारतीय राजनीति के आसमान में एक सितारे की तरह टिमटिमाते रहेंगे। भारतीय राजनीति में सादगी, कर्मठता, ईमानदारी एवं राजनीतिक कौशल से अपनी जगह बनाने वाले एवं निरन्तर चमत्कार घटित करने वाले डॉ. सिंह अपनी प्रभावी एवं शालीन भूमिका से देश की आर्थिक मजबूती की एक बड़ी उम्मीद बने थे। उनका समूचा जीवन राष्ट्र को समर्पित एक जीवन यात्रा का नाम है- आशा को अर्थ देने की यात्रा, ढलान से ऊंचाई की यात्रा, गिरावट से उठने की यात्रा, मजबूरी से मनोबल की यात्रा, सीमा से असीम होने की यात्रा, जीवन के चक्रव्यूहों से बाहर निकलने की यात्रा। मन बार-बार उनकी तड़प को प्रणाम करता है। उस महापुरुष के मनोबल को प्रणाम करता है!

नदी जोड़ो अभियान, एक सदी का सपना..!!

भूपेन्द्र गुप्ता

नदी जोड़ो अभियान आज चर्चा का विषय है। इसका श्रेय सभी पार्टियों लेने की कोशिश भी करती हैं लेकिन इन परियोजनाओं का इतिहास 100साल से भी अधिक पुराना है।इस इतिहास को जानकर यह समझा जा सकता है कि सपनों के फलीभूत होने में सैकड़ों साल की तपस्या शामिल होती है ।इसमें कोई एक व्यक्ति अकेला नहीं है,बल्कि सरकारों के निरंतर और सकारात्मक प्रयास हैं।हालांकि गुलाम भारत मे 1900 के दशक में एक अंग्रेज इंजीनियर आर्थर कॉटन ने भारत की नदियों को जोडने की कल्पना की थी ।उसका उद्देश्य था कि नदियों के अतिरिक्त जल से बड़ी-बड़ी नहरें बनाकर जल मार्गों की वृद्धि की जा सकती है जिससे ब्रिटिश सरकार को व्यापारिक सुविधा मिलेगी तथा दक्षिण भारत के तथा उड़ीसा के सूखे से निपटा जा सकेगा और वहां पर अतिरिक्त जल भेज कर उत्पादन में वृद्धि भी की जा सकेगी ।किंतु इसमें आने वाले खर्च को देखकर ब्रिटिश हुकूमत भी आगे नहीं बढ़ी और यह ठंडे बस्ते में चली गई। देश आजाद हुआ और राष्ट्र निर्माण की योजनायें बननी शुरू हुईं।गरीबी संसाधनों के अभाव और तकनीशियनों की कमी से प्रथमिकताये आगे बढ़ती गईं। आजादी के लगभग 23 साल बाद जब इंदिरा जी की सरकार में डा़ के एल राव जो कि बांध बनाने वाले इंजीनियर थे,सिंचाई मंत्री बने तब उन्होंने आर्थर काटन के इस सपने से धूल झाड़ी और इंदिरा जी के सामने रखा।कांग्रेस ने 1970 में इस योजना को नये दृष्टिकोण से जीवित किया। डा. के एल राव की सोच थी कि जो हिमालयीन नदियां हैं उनमें ग्लेशियरों के पिघलने के कारण गर्मियों में अतिरिक्त जल होता है और बाढ़ आती है जबकि प्रायद्वीपीय नदियां गर्मियों में सूख जाती हैं और उनमें बरसाती मौसम में बाढ़ आती है अतः हिमालयीन नदियों और प्रायद्वीपीय नदियों की आपस में जोड़ दिया जाता है तो सूखे के मौसम में जल की उपलब्धता बनी रह सकती है इसे इंटर-वेसिन रिवर लिंकिंग कहा गया। इंदिरा गांधी ने 1980 में इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए एनडीआरडी की रिपोर्ट तैयार करवाई ।इसकी वित्तीय व्यवस्था बनाने के लिए शुरुआत की गई और उन्होंने 1982 में नेशनल वाटर डेवलपमेंट अथॉरिटी का निर्माण किया यह नदी जोड़ो अभियान का पहला कदम था।इसके अंतर्गत इंटर-वेसिन नदियों को जोडने की योजनाओं पर कार्य शुरू हुआ ।कध्धययन हुए रिपोर्टें तैयार हुईं। जब 1999 में एनडीए की सरकार आई और अटल बिहारी बाजपेयी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने इसे उलटकर योजना के पूरे स्वरूप को ही बदल दिया और इंटर-बेसिन परियोजनाओं को इंट्रा-वेसिन परियोजनाओं में बदल दिया किंतु 2003 तक यह विचार स्वरूप लेता इसके पहले ही 2002 में सुप्रीम कोर्ट में इसके विरोध में पीआईएल लग गई ।आगामी चुनाव में बाजपेयी सरकार उलट गई और 2004 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व में यूपीए सरकार का गठन हुआ। तब इस परियोजना को फिर वास्तविक स्वरूप यानि इंटर-बेसिन योजना के रूप में जीवित किया गया तथा सरकार ने इस पर व्यापक अध्ययन करवाया ।

दूरगामी लाभ का निर्णय है जिलों की समाप्ति का निर्णय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

राजनीतिक लाभ हानि से जुड़े निर्णयों को बदलना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए जोखिम से कम नहीं होता। इस तरह के निर्णय करने में सरकारों को काफी संकोच करना पड़ता है क्योंकि किसी भी निर्णय को बदलते समय राजनीतिक गुणाभाग देखा जाता है और यही कारण है कि कई निर्णय ऐसे होते हैं जिनके लाख चाहने और प्रशासनिक दृष्टि से सही नहीं होने पर भी सरकारें ढ़ोये जाती है। इस मायने में राजस्थान की सरकार की सराहना करनी पड़ेगी कि राजनीतिक दृष्टि से निर्णय लेना मुश्किल व जोखिम भरा होने के बावजूद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के समय के जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण कर 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय लेने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब प्रदेश में 41 जिले और 7 संभाग रह गए हैं। दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, अनूपगढ़, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण और सांचौर जिला और बांसवाड़ा, सीकर और पाली संभाग को समाप्त करने का निर्णय ले लिया। निश्चित रुप से शुरुआत में इसका विरोध होगा, राजनीति से जुड़े लोगों द्वारा हवा भी दी जाएगी पर जब कोई दूरगामी जनहित का निर्णय लिया जाता है तो देर सबेर जनता उसे स्वीकार्य भी कर लेती है। राज्य सरकार द्वारा यही निर्णय नई सरकार बनते ही लिया जाता तो उसके मायने कुछ अलग होते और उस पर राजनीतिक द्वेषता का ठप्पा लगता वह अलग होता। आज भले ही विपक्ष द्वारा इस निर्णय पर प्रश्न उठाये जा रहे हो पर सही मायने में देखा जाए तो यह पूरी तरह से प्रशासनिक निर्णय है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार के नए जिले बनाने के निर्णय का परीक्षण करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डा. ललित पंवार की अध्यक्षता में समिति गठित कर परीक्षण करवाया और फिर राजनीतिक स्तर पर मंत्रीमण्डलीय समिति बनाकर सभी पक्षों का अध्ययन कर रिपोर्ट आने पर मंत्रीमण्डल की बैठक में मोहर लगाई गई। इसलिए एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि यह निर्णय किसी भी मायने में जल्दबाजी या राजनीतिक लाभ के लिए ना होकर पूरी तरह से प्रशासनिक दक्षता के लिए लिया गया निर्णय है। ना ही इसे जल्दबाजी में लिया निर्णय कहा जा सकता है। हांलाकि पूर्व सरकार ने नए जिले बनाने के लिए भले ही प्रशासनिक कमेटी बनाकर रिपोर्ट प्राप्त कर नए जिले बनाने का निर्णय किया पर यह सब अच्छी तरह से साफहो जाना चाहिए कि चुनाव नजदीक होने के कारण पूर्व सरकार द्वारा नए जिले बनाने के निर्णय को आमलोगों ने पूरी तरह से राजनीतिक निर्णय के रुप में ही देखा गया।

भजन लाल शर्मा ने पूर्व सरकार द्वारा गठित नए जिलों के गठन का प्रशासनिक दृष्टि से परीक्षण करवाया और इसमें कोई दो राय नहीं कि शुरुआत में इन जिलों और संभागों को समाप्त करने के निर्णय का विरोध हो पर यह विरोध इसलिए अधिक असर नहीं दिखा पाएगा कि आमनागरिक यह अच्छी तरह से समझता है कि अधिक और छोटे जिले बनने से सरकारी खर्चें अधिक बढ़ने के अलावा कोई खास प्राप्त होने वाला नहीं है। नए जिलों के लिए शुरुआती दौर में ही एक जिले के लिए कम से कम एक हजार करोड़ की व्यवस्था करनी होगी। जिला कलक्टर और जिला पुलिस एसपी के दफ्तर तो तत्काल शुरु करने के साथ ही अन्य विभागों के भी दफ्तर जिला स्तर पर खोलने से ही वास्तविक लाभ प्राप्त हो सकता है। अब इसे यों देखा जाए कि इस सबके लिए कितना बड़ा प्रशासनिक अमला तैयार करना होगा, कितनी अधिक आधारभूत सुविधाएं विकसित करनी होगी। सरकारी ऑफिस, सरकारी बंगले और ना जाने कितने ही कार्यों के लिए स्थान और आधारभूत संरचना विकसित करने के साथ ही अधिकारियों-कर्मचारियों की नियुक्ति करनी होगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं और अन्य सेवाएं अलग होगी। हमारे सामने पुराने उदाहरण है जब राजसमंद, प्रतापमढ़, दौसा जिले बनाए गए और करौली व प्रतापगढ़ जिले का गठन किया गया। अब सबके सामने है कि इन जिलों को सही मायने में जिलो का आकार लेने में कितना समय लगा। आज भी कई स्थानों पर फिजिबल नहीं होने के कारण जिला सहकारी बैंक नहीं खुल पाएं है तो कई अन्य सरकारी दफ्तर शुरु नहीं हो पाये हैं। दरअसल जन हितकारी सरकार की पहचान लोकहित में दूरगामी परिणामों को देखते हुए निर्णय लेना होता है। हांलाकि लोकतंत्र में बहुत से निर्णय राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण न चाहते हुए भी लेने होते हैं तो कई बार ऐसा भी लगता है कि ऐन केन प्रकारेण सत्ता में बने रहने के लिए इस तरह के निर्णय ले लिए जाते हैं।

प्रशासनिक दक्षता और लोकहितकारी सरकार की पहचान जनहित में कड़बे निर्णय लेने में भी संकोच नहीं करना होता है। सरकार की संवेदनशीलता और प्रशासनिक दक्षता का भी इसी से पता चलता है। खासतौर से राजनीतिक लाभ हानि से लिए गए निर्णय से अधिक भला नहीं हो पाता है। सरकार की प्रशासनिक और लोकहितकारी होने का इसी से पता चलता है कि वह जनहित में जोखिम भरे निर्णय लेने में भी कोई संकोच ना करें। लोकतंत्र में जनता और जनता का हित बड़ी बात होनी चाहिए क्योंकि सरकार द्वारा निर्णयों का असर दूर तक जाता है। कड़बे निर्णय यदि लोकहित में होते हैं तो जनता ऐसे निर्णयों को हाथोंहाथ लेती है। इसलिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सरकार बनने के पहले साल में ही बड़े निर्णय कर सबको चौंका दिया है। राजनीतिक लाभ हानि से परे हटकर मुख्यमंत्री ने 9 जिले और 3 संभाग समाप्त करने का निर्णय व्यापक जनहित में ही देखा जाना चाहिए। आर्थिक विश्लेषकों को मानना है कि सरकार को अपने प्रशासनिक खर्चों को एक सीमा तक रखना चाहिए। हांलाकि सब कुछ जानते हुए भी होता इसके विपरीत ही है। सरकार राजस्व का अधिकांश खर्चा अपने प्रशासनिक दायित्वों वेतन-सुविधाओं में ही खर्च कर देती है वहीं नए जिले और संभाग बनने से प्रशासनिक खर्च बढ़ना स्वाभाविक है। दूसरी बात यह है कि नए जिले या संभाग बनाने के स्थान पर सरकारों को प्रशासनिक सेवाओं में सुधार और डिलीवरी सिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर देना चाहिए। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने राजनीतिक जोखिम लेते हुए प्रशासनिक दृष्टि से सराहनीय निर्णय किया है। इससे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उनकी सरकार ने प्रशासनिक दृष्टि से परिपक्वता का परिचय दिया है। हो सकता है कि निर्णय को लेकर विरोध देखने को मिले पर विरोध के खिलाफभी सरकार को सख्ती दिखानी होगी इससे आमजन में सरकार और सरकार द्वारा लिए जाने वाले निर्णयों को सराहा ही जाएगा। सरकारों को राजनीतिक लाभ हानि के साथ ही व्यापक जनहित को भी ध्यान देना चाहिए और निर्णय लेने में किसी तरह का संकोच नहीं करना चाहिये। आज लोग निर्णय लेने वाली सरकार को पसंद करती है नाकि निर्णयों को टालने वाली सरकार को। इस मायने से भजन लाल शर्मा के एक साल के कार्यकाल का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए क्योंकि यह सरकार निर्णयों की सरकार बन गई है।

सेहतमंद रहने के लिए नए साल में जरूर सेट करें ये गोल्स

सेहतमंद रहने के लिए सही रूटीन, एक्सरसाइज और सही खान-पान बहुत जरूरी है। अक्सर लोग फिट रहने के लिए, नया साल आने से पहले कुछ गोल्स सेट करते हैं। लेकिन इन गोल्स से आपको फायदा कभी मिलेगा, जब आप इन्हें पूरे साल बिना रूके फॉलो करेंगे। हेल्दी रहने के लिए आपको सही रूटीन और गोल्स को सेट कर इन्हें बिना रूके फॉलो करना है, इससे न केवल बीमारियां आपसे दूर रहेंगी बल्कि वजन भी आसानी से कम होगा।

रोजाना 10000 कदम चलें

हेल्दी रहने के लिए फिजिकल एक्टिविटी बहुत जरूरी है। आज के समय में लोग दिन भर कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं। ऐसे में इससे आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इस नए साल आपको रोज 10000 कदम चलने को अपने रूटीन में शामिल करना चाहिए। इससे शरीर को मजबूती मिलेगी, पाचन सही होगा, वजन कम होगा और कई बीमारियों से आपका बचाव होगा। अगर शुरुआत में ऐसा करना मुश्किल हो, तो 100 कदम चलने से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे 10000 कदम तक पहुंचें।

योगा जरूर करें

योग न केवल फिजिकल हेल्थ बल्कि मेंटल हेल्थ के लिए भी फायदेमंद होता है। शरीर को मजबूती देना, लचीलापन लाने, डाइजेशन सुधारने और हार्मोनल इंबैलेंस समेत कई अन्य चीजों के लिए योगा करना जरूरी हैं। 2024 में आपको सेहतमंद रहने के लिए रोज कुछ मिनट योग जरूर करना चाहिए।

डिनर जल्दी करें

डिनर जल्दी करना सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी है। आजकल एक्सपर्ट हेल्दी रहने के लिए 7-8 बजे से पहले डिनर करने की सलाह देते हैं। बड़े-बड़े सेलिब्रिटी भी अर्ली डिनर को सही मानते हैं। इससे वजन भी कम होता है और डाइजेशन भी सही रहता है। 2024 में आपको इसे अपने रूटीन में जरूर शामिल करना चाहिए।

मेंटल हेल्थ पर भी दें ध्यान

आज के समय में फिजिकल हेल्थ पर लोग भले ही ध्यान देने लगे हैं, लेकिन मेंटल हेल्थ को अभी भी कहीं न कहीं नजरअंदाज करते हैं। सेहतमंद रहने के लिए मेंटल हेल्थ का सही होना भी बहुत जरूरी है। 2024 में इसका भी ख्याल जरूर रखें। रोज 15 मिनट प्राणायाम, ब्रीदिंग एक्सरसाइज, मेडिटेशन जरूर करें। जिससे स्ट्रेस, एंग्जायटी, डिप्रेशन और हाई बीपी में आराम मिल सके।

न्यूट्रिशन पर दें ध्यान

शरीर में न्यूट्रिशन की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती हैं। इसलिए, नए साल में सही न्यूट्रिशन पर ध्यान देने को अपने गोल्स में शामिल करें। शरीर में न्यूट्रिशन की कमी होने पर थकान, कमजोरी, सिरदर्द और अपच समेत कई परेशानियां हो सकती हैं। इसलिए विटामिन और मिनरल्स से भरपूर डाइट लें।

हर्बल टी को करें डाइट में शामिल

तुलसी, पुदीना, धनिया और अजवाइन समेत कई ऐसी चीजे हैं, जिनसे बनी चाय से शरीर को फायदे मिलते हैं। इस तरह की चाय को अगर आप अपने आहार में शामिल करती हैं, तो इससे बीमारियां आपसे कोसों दूर रहेंगी।

रोज 1 सीजनल फल खाएं

2024 में हेल्दी रहने के लिए रोज 1 सीजनल फल खाएं। मौसमी फल शरीर को कई बीमारियों से बचाते हैं, इम्यूनिटी को मजबूत बनाते हैं और शरीर में एनर्जी बनी रहती हैं। रोज मिड मील के तौर पर आपको 1 फल को डाइट में शामिल करना चाहिए।

सही नींद लें : पूरी नींद सेहतमंद रहने के लिए बहुत जरूरी है। नींद की कमी का असर न केवल शरीर की एनर्जी और डाइजेशन पर होता है, बल्कि इससे हार्मोन्स भी इंबैलेंस होते हैं। इसलिए, नए साल में कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। नींद पूरी न होने से शरीर को कई नुकसान हो सकते हैं।

सही मात्रा में पानी पिएं

हेल्दी रहने के लिए सही मात्रा में पानी पीना बहुत जरूरी है। शरीर में पानी की कमी कई बीमारियों की वजह बन सकती है। दिन भर में 7-8 गिलास पानी पीना बहुत जरूरी है। डिहाइड्रेशन शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए, नए साल में वॉटर इनटेक पर जरूर ध्यान दें।

रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाएं

हेल्दी रहने के लिए समय-समय पर रेगुलर हेल्थ चेकअप करवाना बहुत जरूरी है। अक्सर लोग हेल्थ चेकअप्स को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे सही समय पर शरीर में मौजूद कमी या बीमारी का पता नहीं चल पाता है। इसलिए, समय-समय पर हेल्थ चेकअप्स करवाएं।

सेहत के लिए किस समय वॉक करना होता है अधिक फायदेमंद?

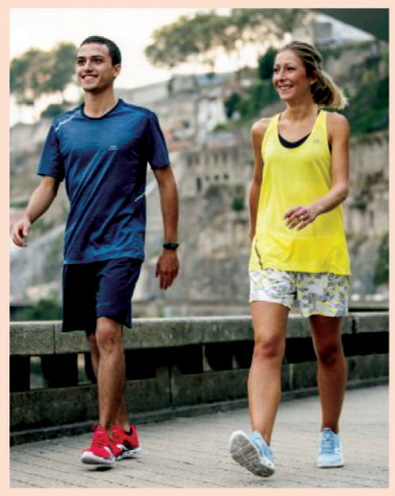

रोज वॉक करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से न सिर्फ आप स्वस्थ रहते हैं, बल्कि कई रोगों से भी दूर रहते हैं। हृदय रोगों के खतरे को कम करने और दिल को स्वस्थ रखने के लिए वॉकिंग को सबसे अच्छा व्यायाम माना जाता है। रोज वॉक करने से वजन, हाई बीपी और शुगर, कोलेस्ट्रॉल आदि को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। इसके अलावा, यह जोड़ों को लचीला बनाने में मदद करती है। इससे मांसपेशियां टोन होती हैं। रोज पैदल चलने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसे रोगों को खतरा भी कम होता है। इसके अलावा, भी रोज पैदल चलने से कई फायदे मिलते हैं। इसलिए हमेशा यह सलाह दी जाती है कि हरेक व्यक्ति को रोज कम से कम 10 हजार कदम पैदल जरूर चलना चाहिए। लेकिन अक्सर हम देखते हैं कि कुछ लोग सुबह के समय वॉक करना पसंद करते हैं, तो वहीं कुछ शाम के समय वॉक करते हैं। ऐसे में लोग इस बात को लेकर काफी असमंजस में रहते हैं कि सेहत के लिए किस समय वॉक करना ज्यादा फायदेमंद होता है?

सुबह वॉक करना कैसे फायदेमंद है

सुबह 45 मिनट हल्की तेज गति से तेज पैदल चलने से आप बॉडी क्लॉक सही तरीके से काम करती है। सुबह वॉक करने से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। साथ ही, धूप में समय बिताने से विटामिन डी भी मिलता है। सुबह वॉक करने का एक सबसे अच्छा लाभ यह है कि सुबह के समय प्रदूषण बहुत कम होता है। इस दौरान वॉक करना सांस संबंधी समस्याओं वाले लोग भी कर सकते हैं। इससे आलस्य दूर होता है और शरीर में एनर्जी आती है। यह वजन कंट्रोल रखने में भी मदद करता है। सुबह वॉक करने से तनाव कम होता है और नकारात्मकता कम होती है।

शाम के समय वॉक करना कैसे फायदेमंद है

शाम के समय वॉक करने का एक बड़ा फायदा यह है कि इससे डायबिटीज रोगियों में ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है। यह आपके द्वारा खाए गए भोजन को बेहतर तरीके से पचाने में मदद करता है। इससे पाचन क्रिया दुरुस्त होती है और पेट संबंधी समस्याओं से बचाव होता है। शाम के समय वॉक करना दिन भर की टेंशन और चिंताओं को कम करके शरीर को रिलैक्स करने का एक बेहतरीन तरीका है। ऐसा करने से आपको रात में जल्दी और अच्छी नींद आती है। शाम के समय वॉक के दौरान चोट लगने का खतरा कम होता है।

सेहत के लिए सुबह वॉक करना ज्यादा फायदेमंद है या शाम के समय

आपके लिए किस समय वॉक करना ज्यादा फायदेमंद है, यह आपके शेड्यूल पर निर्भर करता है। जो लोग सुबह जल्दी उठते हैं निश्चित ही वे सुबह की सैर कर सकते हैं। इससे आपकी दिनचर्या बेहतर होती है। लेकिन अगर आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सुबह के समय वॉकिंग के लिए समय नहीं निकाल सकते हैं, तो आपके लिए शाम का समय अधिक अच्छा है। दोनों ही समय वॉक करना आपकी सेहत के लिए लाभकारी होता है। बस आपको ध्यान में यह रखना चाहिए कि रोज कम से कम 10 हजार कदम पैदल जरूर चलें। इसलिए वॉक जरूर करें, फिर चाहें शाम को करें या सुबह के समय।

सर्दियों की शुरुआत के साथ ही हो गई है डैंड्रफ की समस्या? इन टिप्स से मिलेगी राहत

सर्दियों के मौसम में डैंड्रफ होना एक आम बात है। पर धीरे-धीरे डैंड्रफ इतना ज्यादा हो जाता है कि लोग परेशान हो जाते हैं। बता दें कि ऐसा होना आम है और आप कुछ बातों का ख्याल रख इस परेशानी से बच सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में क्यों होता है डैंड्रफ : वातावरण में बदलाव जैसे बहुत कारण हैं, जिनकी वजह से सर्दियों डैंड्रफ होता है। एक्सपर्ट बताते हैं कि एक बड़ा कारण यह है कि सर्दियों में लोग पानी पीना कम कर देते हैं। इससे ना केवल त्वचा बल्कि स्कैल्प पर भी बुरा असर पड़ता है और डैंड्रफ जैसी परेशानी शुरू हो जाती है।

डैंड्रफ को कैसे करें दूर : सर्दियों के दिनों में डैंड्रफ से बचने के लिए एक्सपर्ट एंटी-डैंड्रफ शैम्पू को बहुत जरूरी बताते हैं। खरीदने से पहले एंटी-डैंड्रफ शैम्पू का पीएच लेवल चेक करें। लगातार एंटी-डैंड्रफ शैम्पू फॉलो करने पर डैंड्रफ की समस्या कंट्रोल रहती है इसके अलावा आपको खुजली करने से भी बचना है। बहुत से लोग डैंड्रफ से परेशानी होकर उसे हाथ सा क्लिप की मदद से स्कैल्प को रब करते हैं, जो एक गलत तरीका है। ऐसा करने से डैंड्रफ की परेशानी और बढ़ती है।

गर्म पानी से क्यों ना धोएं बाल : बालों को गर्म पानी से धोना सही नहीं है। अक्सर लोग सर्दियों में ऐसा करते हैं, पर इससे डैंड्रफ कंट्रोल नहीं हो पाता है। कोशिश करें कि आप बालों को हमेशा गुनगुने और ठंडे पानी से धोएं।

डैंड्रफ को ठीक करने के लिए कैसे खाना खाएं : डैंड्रफ को दूर करने के लिए विटामिन और खनिजों से भरपूर संतुलित आहार खाएं। सही खाना एक बहुत बड़ा बिंदु है, जो आपके डैंड्रफ को कंट्रोल में रख सकता है।

सर्दियों में गुलाबी गाल पाने के लिए अपनाएं ये तरीके, नहीं पड़ेगी ब्लशर लगाने की जरूरत

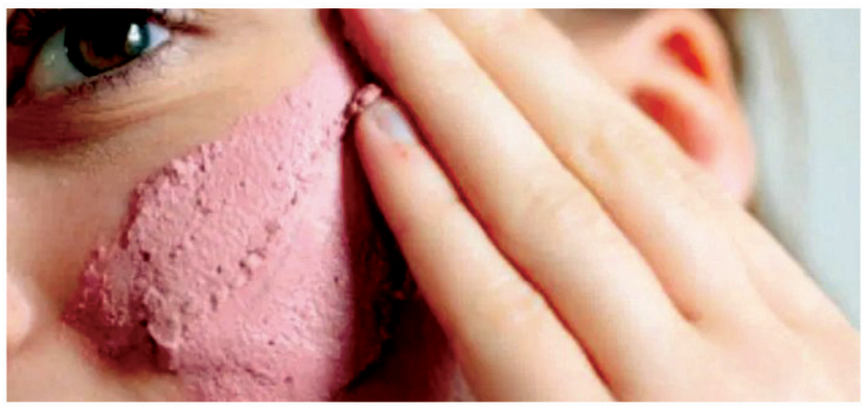

सर्दी के शुरुआत से ही स्किन में कई तरह की समस्याएं होने लगती है। सर्दी में चलने वाली ठंडी हवाएं स्किन को ड्राई बनाने के साथ ग्लो को भी कम करती हैं। सर्दी की वजह से स्किन का रंग भी काफी डार्क हो जाता है। वहीं अक्सर सर्दी में लडकियां चाहती हैं कि उनके गाल भी अभिनेत्रियों की तरह गुलाबी रहें। गुलाबी गाल आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाते है। लेकिन सर्दी में ऐसा करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। वैसे, तो कई महिलाएं मेकअप के जरिए गालों को गुलाबी करती हैं। लेकिन ऐसा थोड़े समय के लिए ही होता है। हमेशा मेकअप का इस्तेमाल करना संभव नहीं हो पाता है।

एलोवेरा : एलोवेरा की मदद से स्किन को गुलाबी किया जा सकता है। एलोवेरा में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण पिंपल्स को कम करने के साथ रंगत को भी निखारते है। इसका इस्तेमाल करने के लिए 2 चम्मच एलोवेरा जेलमें 1 चम्मच शहद को मिलाकर 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। उसके बाद चेहरे को पानी से वॉश करें। ऐसा नियमित करने से गाल गुलाबी होते है।

टमाटर : टमाटर एक अच्छा नेचुरल स्क्रब है, जो ब्लैकहैड्स व्हाइटहैड्स को हटाकर स्किन को साफ करता है। सर्दी में अगर आप गुलाबी गाल पाना चाहते हैं, तो टमाटर को बीच से काटकर एक हिस्से को लेकर गालों पर हल्के हाथ से मसाज करें। उसके बाद चेहरे को पानी से वॉश करे, ऐसा करने से धीरे-धीरे गालों का रंग गुलाबी होने लगेगा।

हाइड्रेटेड रहें : गालों को गुलाबी बनाने के लिए पानी पीना बहुत जरूरी होता है। सर्दी में प्यास का एहसास कम होता है। ऐसे में समय-समय पर पानी पीते रहें। पानी स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। यह आपके शरीर से सभी अशुद्धियों और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालंता है। यह त्वचा को अंदर से साफ करके स्वस्थ बनाता है। हर दिन 5 से 8 गिलास पानी पीने से त्वचा में निखार आता है।

नींद : गुलाबी गाल पाने के लिए नींद लेना भी जरूरी होता है। रोज रात को 7 से 8 घंटे की नींद अवश्य लें। पर्याप्त नींद लेने के लिए तनाव से दूर रहें। भरपूर नींद लेने से आप तरोताजा महसूस करेंगे और स्किन भी खिली रहेगी। कम नींद के कारण चिड़चिड़ापन बढ़ेगा और स्किन का ग्लो भी कम होगा।

शिशु हरे रंग का मल क्यों करते हैं? इसके ये कारण

आमतौर पर शिशु की डाइट में ऐसी कोई चीज शामिल नहीं होती है, जिससे उनकी तबियत खराब हो। इसके बावजूद, उम्र के हिसाब से शिशुओं के मल का रंग बदलता रहता है। कई विशेषज्ञ यह भी सलाह देते हैं कि आप शिशु के मल के रंग से उसकी सेहत का अंदाजा लगा सकते हैं। खैर, कई बार आपने यह भी देखा होगा कि शिशु के मल का रंग हरा होता है। तो क्या यह सामान्य है? या फिर हरे रंग का मल किसी बीमारी की ओर संकेत करता है? कई नई मांओं के मन में इस तरह के सवाल उठ सकते हैं। दरअसल, मौजूदा समय में ज्यादातर लोग न्यूक्लियर फैमिली में रहते हैं। ऐसे घरों में जो महिला नई-नई मां बनी होती है, उसके लिए शिशु का रोना ही नहीं, मल का रंग भी चिंता का कारण बन सकता है। जब बच्चा एक से तीन दिन का होता है और उसका मल हरे रंग का होता है, तो इसे ट्रांजिशनल स्टूल के नाम से जाना जाता है। दरअसल, जन्म के तुरंत बाद शिशु काले रंग का मल त्यागता है, जो धीरे-धीरे समय के साथ हरे में बदलता है। इसके बाद वह ब्राउन और फिर सामान्य रंग यानी पीले रंग में बदल जाता है। इसका मतलब है कि अगर आपका शिशु हरे रंग का मल त्याग करे, तो यह चिंता की बात नहीं होती है।

हाइंडमिल्क और फोरमिल्क में इबैलेंस

अगर आपका शिशु 3 दिन से लेकर 3 महीने का है, तो इस अवस्था में आमतौर पर मांएं बच्चे को अपना दूध ही पिलाती हैं। वैसे भी इस उम्र में बच्चे को बाहरी चीजें देना सुरक्षित नहीं होता है। लेकिन, अगर इस उम्र में बच्चा पीले मल के बजाय हरा मल त्याग करता है, तो यह सही नहीं है। इसका मतलब है कि बच्चे के पेट में हाइंडमिल्क और फोरमिल्क का इंबैलेंस हो गया है। इसे आप ऐसे समझें कि शिशु को दूध पिलाने की शुरुआत में प्रचुर मात्रा में फोरमिल्क मिल जाता है, जबकि वह बाकी का हाइंडमिल्क नहीं पीपता है। इसे ओवरसप्लाई, या फोरमिल्क और हाइंडमिल्क में असंतुलन के रूप में जाना जाता है। ज्यादा मात्रा में फोरमिल्क लेने की वजह से शिशु को ज्यादा मात्रा में लैक्टोज मिल जाता है, जिस वजह उसके मल का रंग हरा हो जाता है।

दांत निकलने के कारण

अगर आपका बच्चा 3 से 6 महीने के बीच का है, तो यह उम्र शिशुओं में दांत निकलने की होती है। अक्सर जब बच्चे के मुंह में दांत निकल रहे होते हैं, तो उन्हें हरे रंग की पॉटी होने लगती है। यह भी कोई भी विशेष चिंता की बात नहीं होती है। एक समय के बाद शिशु की यह स्थिति अपने आप ठीक हो जाती है। हालांकि, अगर शिशु को बहुत ज्यादा बार पॉटी आए, तो आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं।

बाहरी खाद्य पदार्थ की वजह से

छह माह से एक साल की उम्र के बच्चे भी हरे रंग का मल त्याग करते हैं। इसकी वजह यह है कि छह माह के बाद बच्चों को कॉम्प्लीमेंटर फूड दिया जाना शुरू हो जाता है। ऐसे में अगर बच्चे को हरी पत्तेदार सब्जियां ज्यादा मात्रा में दी जाए और बच्चा उसे चबाए बिना ही निगल जाए, तो अक्सर बच्चे के मल का रंग हरा हो सकता है।

इंफेक्शन भी है कारण

अगर बच्चे की उम्र एक साल से ज्यादा है और उसकी पॉटी का रंग ग्रीन है, तो इसका मतलब है कि बच्चे को इंफेक्शन हुआ है। रोटावायरस की वजह से बच्चे को इंफेक्शन हो सकता है। साथ ही बच्चे को डायरिया भी हो सकता है। ऐसे मामले में पेरेंट्स को लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर बच्चे को हरे मल के साथ-साथ उल्टी हो रही है, बुखार है, वह लेजी फील कर रहा है, तो उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं। इसके अलावा, अगर बच्चा सिर्फ हरे रंग का मल त्याग करे, तो यह चिंता की बात नहीं है। इसे सामान्य समझा जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

जिला जेल गरियाबंद का किया गया निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। सर्वोच्च न्यायालय तथा बाल अधिकार संरक्षण आयोग नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशानुसार जेलों में निवासरत बंदियों का उम्र सत्यापन कराया जाना है। उम्र निर्धारण के संबंध में संदेह अथवा प्रक्रियागत त्रुटि के कारण बच्चे जेलों में निरूद्ध हो जाते हैं।जिनके उम्र का सत्यापन करने हेतु अधिवक्ताओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के पैनल को सम्मिलित कर जेलों का निरीक्षण प्रत्येक त्रैमास में किया जाता है।उक्त निर्देश के परिपालन में अशोक कुमार पाण्डेय,जिला कार्यक्रम अधिकारी,महिला एवं बाल विकास विभाग जिला गरियाबंद के निर्देशानुसार एवं दीपा शाह जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी तथा अनिल द्विवेदी,जिला बाल संरक्षण अधिकारी,जिला बाल संरक्षण इकाई के मार्गदर्शन में आज जिला जेल गरियाबंद का जेल निरीक्षण समिति द्वारा निरीक्षण किया गया। समिति में शामिल सदस्य शीला यादव (सामाजिक कार्यकर्ता), कृष्ण कुमार शर्मा (सामाजिक कार्यकर्ता),हेमराज दाऊ अधिवक्ता एवं शरदचंद निषाद (विधिक सह परिविक्षा अधिकारी) के द्वारा जेल निरीक्षण किया गया। उप जेल गरियाबंद के सहायक जेल अधीक्षक व जेल प्रहरी एवं सालिक राम निषाद (पंरालिगल वालिन्टियर) निरीक्षण दौरान उपस्थित थे।निरीक्षण समिति द्वारा 6 बैरकों का निरीक्षण किया गया निरीक्षण समिति द्वारा प्रत्येक बंदियों से मुलाकात कर उनके वास्तविक आयु की जानकारी ली गई।जिसमें 2 बंदी ने बताया कि घर में हमारे बच्चों का देखभाल करने के लिए कोई नहीं है।जेल निरीक्षण समिति द्वारा बंदियों के बच्चों का देखभाल एवं संरक्षण करने के संबंध में उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया है।

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से शत प्रतिशत लाभान्वित करें - कलेक्टर अग्रवाल

कलेक्टर ने अधिकारियों को लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने के दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में समय-सीमा की समीक्षा बैठक ली।इस दौरान उन्होंने विभागीय योजनाओं में प्रगति की जानकारी ली।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने मुख्यमंत्री जनदर्शन,कलेक्टर जनदर्शन,सीपीग्राम, जनसमस्या निवारण शिविर,पीजीएन के प्रकरणों का निराकरण की समीक्षा करते हुए इनमें से लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिये।स्कूली विद्यार्थियों के आय,जाति,निवास प्रमाण पत्र के संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों का आय,जाति,निवास प्रमाण पत्र किसी कारणवश नहीं बन पाया है,तो ऐसे विद्यार्थियों के लिए राजस्व विभाग से समन्वय कर बनाना सुनिश्चित करें।पीएमश्री स्कूल के अपूर्ण निर्माण कार्यो को शीघ्र पूरा करें। कलेक्टर ने विद्यार्थियों के अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम की जानकारी लेते हुए कहा कि जिले के विद्यार्थियों का वार्षिक परीक्षा के दौरान उनका परिणाम बेहतर आये इसके लिए शिक्षक विद्यार्थियों के लिए और मेहनत के साथ रिवीजन कराए।जिन स्कूल के अर्द्धवार्षिक का परीक्षा परिणाम बेहतर नहीं आये है, ऐसे स्कूलों के संस्था प्रमुख एवं संबंधित विषय शिक्षकों को नोटिस जारी कराए।उन्होंने सभी पात्र हितग्राहियों का शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने की जानकारी लेते हुए छूटे हुए हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। बैठक में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, कुपोषण मुक्त ग्राम पंचायत,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका की लंबित नियुक्ति की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी योजनाओं लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले यह सुनिश्चित करें।स्कूल जतन योजना के तहत पूर्ण अपूर्ण एवं प्रगतिरत निर्माण कार्यो को थर्ड पार्टी द्वारा निरीक्षण की कार्यवाही करें।साथ ही ग्राम पंचायतों के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार को संबंधित ग्रामों का निरीक्षण कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। इस कार्य पर किसी तहत के कोताही न बरते। इस दौरान उन्होंने आगामी 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।कलेक्टर ने सभी एसडीएम को धान खरीदी केन्द्रों एवं स्कूलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये।इस दौरान जिला पंचायत सीईओ रीता यादव,अपर कलेक्टर प्रकाश राजपूत,नवीन भगत सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे।

एक यूनिट रक्तदान से तीन जिन्दगियां बचाई जा सकती है : विधायक बालेश्वर साहू

जांजगीर चांपा समय दर्शन // सिकलिंग, थैलेसीमिया एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्राम कोसेमंदा के हाई स्कूल परिसर में रक्तदाता क्रांति समूह परिवार कोसमंदा के द्वारा रक्तदान एवं रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती, स्वर्गीय राजेश धीवर व अमित यादव के छायाचित्र में पहले माल्यार्पण कर शिविर का सुप्रारंभ किया गया। मुख्यअभ्यागत जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू, गौतम राठौर पूर्व सरपंच ने कहा कि रक्तदान से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति का जान बचा सकता है। अगर हम एक यूनिट रक्तदान करते है तो तीन जिंदगी को बचा सकते है, आगे उन्होंने कहा कि मौका दीजिये अपनी खून को, किसी की रगों में बहने का ये लाजवाब तरीका है, कई जिस्मों में जिंदा रहने का। रक्तदान से हार्ट अटैक, कैंसर व अन्य दूसरी बिमारियों के होने का खतरा कम हो जाता है, क्योंकि यह शरीर में मौजूद विषैले तत्वों को बाहर निकालता

है, रक्तदान के पहले होने वाले जाँच से व्यक्ति को यह पता चल जाता है कि वह किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रसित नही है, रक्तदान करके असमय होने वाली मौतों को रोका जा सकता हैं, 18 वर्ष एवं 45 कि. ग्रा. से अधिक हर व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो या पुरुष रक्तदान कर सकता है, स्त्री 4 माह एवं पुरुष 3 माह के अंतराल में रक्तदान कर सकते है, इससे किसी भी प्रकार की शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी नही होती हैं, व्यक्ति के कुल वजन का 7वा हिस्सा रक्त का होता हैं।

इस शिविर में भोज प्रकाश, हरेश कुमार, प्रेमदास, जितेंद्र कुमार, हेमंत कुमार, मयंक राठौर, सतीश यादव अरविंद राठौर ओमकार यादव, निकट साहू, रामेश्वर यादव, सोम कौशिक, गौतम राठौर, दिलीप कौशिक, दुर्गेश राठौर, नारायण राठौर, कुशल यादव, जितेंद्र राठौर, त्रिलोचन राठौर, नारायण राठौर, चंद्र किशोर राठौर, प्रीतम कुमार यादव, शिवकुमार, अजय यादव, कोमल यादव, दामोदर यादव, संजय राठौर, लक्ष्मी प्रसाद, हितेश राठौर, हेमंत कुमार, शुभम बरेठ, रोहित कौशिक, अमन यादव, भीम कुमार, सुंदरलाल, देवभरोस, शिव पटेल, सुशील पटेल, घनश्याम यादव, जयप्रकाश, गिरीश राठौर, राजकुमार राठौर, राजेश कुमार, खगेश्वर श्रीवास, अजय राठौर, मुकेश श्रीवास, दिनेश यादव सहित 48 रक्तदानियों ने रक्तदान कर अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया। जिसमें 25 रक्तदान ने प्रथम बार रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में महेश राठौर, छत्रधर राठौर शिव पटेल, अमित राठौर, गोपाल गोस्वामी, बिक्की राठौर, राजेन्द्र राठौर, धरम ब्लड सेंटर चांपा से स्पेन्द्र मिरी, खुशवंत खांडे, सूरज निर्मलकर, लकेश्वर जायसवाल, श्वेता दुबे आदि का विशेष सहयोग रहा। तीन भाई ने किया एक साथ रक्तदान : स्व राजेश धीवर व स्व अमित यादव स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में लक्ष्मी यादव हेमंत यादव एवं रामेश्वर यादव तीनों भाई मिलकर एक साथ शिविर स्थल में पहुंच कर रक्तदान किए।

कलेक्टर अग्रवाल ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज जनदर्शन में जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से आये लोगों की मांग,समस्याएं एवं शिकायतें सुनी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने आज जनदर्शन में 28 लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।जनदर्शन में बड़ी संख्या में लोगों ने अपना अपना आवेदन कलेक्टर को सौंपा और अपनी समस्याएं,जैसे भूमि विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, पीएम आवास, वनाधिकार पट्टा एवं अन्य विषयों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए।कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकरणों का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान किया जाए,ताकि आमजन को उनकी समस्या एवं शिकायतों का निराकरण हो सके।जनदर्शन में ग्राम देवरी के बिसहत साहू ने किसान सम्मान निधि दिलाने,ग्राम मालगांव की परमिला बाई ने प्रधानमंत्री जनमन आवास प्रदाय करने,ग्राम पंचायत परसदा जोषी की तारणी साहू ने प्रधानमंत्री आवास सूची में नाम जोड़ने,ग्राम मेड़कीडबरी के समस्त कृषकगण ने नये ट्रांसफार्मर लगाने,ग्राम कामेपुर एवं भैसामुड़ा के समस्त ग्रामवासियों ने कोदोकच्छार नदी पर लघु सिंचाई बांध (स्टापडैम) बनाने,ग्राम बेलर का ऋषु राज साहू ने प्रधानमंत्री षिक्षित बेरोजगार व्यवसाय लोन प्रदाय करने एवं मूरली राम साहू ने राषन कार्ड में चॉवल प्रदान करने, ग्राम छिन्दौला की रुनिया बाई ने वन अधिकार पट्टा निरस्त करने,ग्राम अतरमरा के जगदीष यादव ने करंट से पीड़ित की मृत्यु होने पर आर्थिक मुआवजा राषि प्रदान करने,कोपरा के दयालू राम साहू ने धान बेचने के लिए टोकन संबंधी त्रुटि सुधार कराने,ग्राम जेंजरा की कुंभ बाई कंवर ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राषि दिलाने, ग्राम कोसमबुड़ा के गोपाल राम ने विवाह पंजीयन कर विवाह पंजीयन की राषि प्रदाय करने,ग्राम सुरसाबांधा की सीताबाई साहू ने रसोईया पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत किये है।इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

अपने जन्मदिन पर संकुल समन्वयक/शिक्षक देवानंद नायक ने सभी बच्चों को कराया आंशिक न्योता भोज

सरायपाली (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत सरकारी स्कूलों के बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट खाना देने के साथ भोजन में उनकी रुचि बढ़ाने के लिए न्योता भोजन शुरू किया गया है.इस तारतम्य में शास. प्राथ. एवम उच्च प्राथ.शाला केंदुढार में संकुल समन्वयक और अंग्रेजी शिक्षक देवानंद नायक ने अपने जन्मदिन के अवसर पर सभी बच्चों को केला,सेब,संतरा, मिक्चर,मिठाई,केक,चॉकलेट, फाफड़ा प्रदान किया गया।संकुल समन्वयक देवानंद नायक का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया।आभार प्रकट करते हुए शिक्षक सुंदर लाल डडसेना ने कहा कि देवानंद नायक के जन्मदिन पर सभी बच्चों को आंशिक न्योता भोज दिया गया।शाला परिवार और सभी बच्चों की तरफसे उन्हें धन्यवाद देते संकुल प्राचार्य अशोक कुमार साहू ने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपनी स्वेच्छा से अपने जन्मदिन,सालगिरह,गृहप्रवेश या किसी भी अन्य कार्यक्रम में स्कूलों में न्योता भोज दे सकता है।इस कार्यक्रम में संकुल प्राचार्य अशोक साहू,प्रधान पाठक त्रय एम एच उस्मानी,चंदन सिंह रात्रे और प्रदीप सिंह ठाकुर के साथ पवन यादव,गीता रॉय,भानुमती साहू,बर्थडे शिक्षक देवानंद नायक के साथ सौभाग्य भोई,अनुपमा नायक,सुलोचना मांझी,मीरा खंडेल और सुन्दर लाल डडसेना उपस्थित रहे।

श्रीमद्भागवत और शिव महापुराण कथा श्रवण के लिए उमड़े श्रद्धालू

एक ही मंच पर दो कथाओं के आयोजन से क्षेत्र भक्तिरस से सराबोर

दुर्ग (समय दर्शन)। कसारीडीह सिविल लाईन स्थित मां सतरुपा शीतला मंदिर में एक साथ दो बड़े धार्मिक आयोजन से क्षेत्र में भक्ति की रसधारा बह रही है। मंदिर परिसर में सर्व हिन्दू समाज द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा और शिव महापुराण कथा के श्रवण के लिए प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालू उमड़ रहे है। वृंदावन धाम से पधारी साध्वी पूर्वी जी द्वारा पहली पाली में श्रीमद्भागवत कथा का वाचन किया जा रहा है,तो वहीं उसी व्यासपीठ पर वृंदावन धाम के पंडित रत्नेश्वरानंद भी शिव महापुराण कथा से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे है। कथा के चौथे दिन साध्वी पूर्वी जी ने श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की छटा बिखेरी। इस दौरान बालकृष्ण व वासुदेव की सजीव झांकी आकर्षण का केन्द्र रही। समाजसेवी संजय डहरवाल द्वारा वासुदेव का भेष धरा गया था। बालकृष्ण व वासुदेव के दर्शन के लिए श्रद्धालू टुट पड़े। श्रद्धालुओं ने कृष्ण जन्मोत्सव के भजन में नाच-गाकर अपनी श्रद्धाभक्ति प्रकट की। कथा में मां सतरुपा शीतला सेवा मंदिर समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू और उनकी पत्नि कांता साहू यजमान रहे।

दूसरी ओर पंडित रत्नेश्वरानंद ने शिव महापुराण कथा की लीलाओं का बड़े सजीवता से वर्णन किया। यह कथा 1 जनवरी तक चलेगा। श्रद्धालू प्रतिदिन श्रीमद्भागवत कथा का दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक एवं श्री शिवमहापुराण कथा का संध्या 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक श्रवण कर पुण्यलाभ प्राप्त कर सकते है।

अंतिम दिन आयोजन समिति द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। कथा आयोजन के दौरान मां सतरुपा शीतला मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष रोमनाथ साहू, सामाजिक एवं धार्मिक संगठन अजेय भारत के प्रमुख संजय डहरवाल, शीतला मंदिर समिति के भीखम साहू, शिवसागर सिन्हा, कृष्णा देशमुख, सुरेन्द्र धर्माकर, पार्षद दीपक साहू, बाबा चौहान, नरेश शर्मा, साई मंदिर समिति सचिव धनेन्द्र सिंह चंदेल, शिवाकांत तिवारी, योगेश ठाकुर, अभय तिवारी, सतीश तिवारी के अलावा अन्य धार्मिक व सामाजिक संगठन के सदस्य व्यवस्था बनाने में जुटे रहे।

लोगों की समस्यों का सवेंदनशीलता पूर्वक निराकरण करें - कलेक्टर लंगेह

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने सोमवार को समय सीमा की बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, अपर कलेक्टर रवि कुमार साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे तथा अन्य विकासखण्ड अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

कलेक्टर ने कहा कि शासकीय कार्यालयों मे अपनी समस्या लेकर आने वाले नागरिकों से सवेंदनशीलता के साथ मिले और समस्याओं का समुचित निराकरण करें। उन्होंने कहा कि आम नागरिक बहुत उम्मीद के साथ कार्यालयों में आते है, ऐसे मे उनके साथ उचित व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुने और निराकरण करें। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व प्रकरणो का निराकरण समय सीमा मे करें। आज समय सीमा कई बैठक मे कलेक्टर ने अवैध रेत उत्खनन के प्रकरण पर संलिप्त लोगों पर एफ्आईआर करने के निर्देश दिए है उन्होंने खनिज एवं राजस्व विभाग को नियमित रूप से कार्रवाई करने कहा है। इसी तरह अवैध शराब विक्रय और अनियमितता पाए जाने पर संलिप्त कर्मचारियों के विरूद्ध भी एफ्आईआर करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने धान खरीदी की समीक्षा करते हुए कहा कि धान खरीदी किसी भी शर्त में बंद न हो। उठाव की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संग्रहित धान का उठाव तेज करने के निर्देश दिए हैं। मार्कफेड और नान के अधिकारियों ने बताया कि उठाव लगातार जारी है। उन्होंने आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि उठाव नियमित तौर से होता रहे। उन्होंने कहा कि ऐसी नौबत आने की संभावना को देखते हुए पूर्व से ही तैयार कर लेवें। खाद्य अधिकारी ने बताया कि धान खरीदी सुचारु रूप से जारी है। कलेक्टर ने मौसम के अनुरूप धान स्टेकिंग को कवर करने के निर्देश दिए। उन्होंने महतारी वंदन योजना अंतर्गत मृत हितग्राहियो के नाम विलोपन करने कहा। साथ ही कहा कि यह भी ध्यान रखे कि दूसरे व्यक्ति के नाम से राशि ना डाली जाए। जो पात्र महिला हितग्राही है उन्हें ही लाभ मिले। इसके लिए सभी परियोजना अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए है।

कलेक्टर ने बैठक के दौरान बताया कि त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए आरक्षण की प्रक्रिया के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संशोधित समय-सारणी घोषित कर दी गई है। जिले में जिला पंचायत सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जनपद सदस्य, सरपंच एवं पंच पदों के लिए प्रवर्गवार आरक्षण की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की जाएगी। इस संबंध में सभी जनपद सीईओ को आवश्यक तैयारी के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर लंगेह ने श्रम एवं उद्योग विभाग को औद्योगिक क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा कि अनियमितता पाए जाने पर कारवाई भी सुनिश्चित करें। विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों का समय सीमा में जवाब देने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जन चौपाल, जनसमस्या निवारण शिविर में प्राप्त मांग एवं शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान बागबाहरा के दिव्यांग हितग्राही रामचंद्र कोसरे को मोटराइज्ड मोटर सायकल प्रदान किया गया। ज्ञात है कि उन्होंने अपनी समस्या को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया था जिस पर त्वरित निराकरण करते हुए कलेक्टर द्वारा चाबी सौंपा गया।

खबर-खास

निगम ने जनरल स्टोर्स में दबिश देकर चाइनिज मांझा को किया जब्त, जुर्माना भी वसूला

रिसाली (समय दर्शन)। पतंग के साथ चाइनिज मांझा बेचने वालों पर रिसाली निगम नजर रख रहा है। निगम आयुक्त मोनिका वर्मा के निर्देश पर दुकानों में दबिश दी रही है। भारी मात्रा में चाइनिज मांझा जब्त किया गया। दुकानदारों से जुर्माना भी वसूला गया। राजस्व विभाग को सूचना मिली थी कि निगम क्षेत्र के कुछ दुकानदार चोरी छिपे पतंग के साथ मांझा बेच रहे है। इस आशय की पुष्टी करने दुकानों में दबिश दी गई। इस दौरान लक्ष्मी बुक डिपो और लक्ष्मी इंटर प्राइजेस में मांझा पाया गया। दोनो प्रतिष्ठान के खिलाफ राजस्व विभाग की टीम ने 500-500 रूपए जुर्माना वसूल किया। दबिश के दौरान राजस्व विभाग के मंगल कुर्रे, रवि श्रीवास्तव, विवेक रंगनाथ, टिकेन्द्र वर्मा, टेकराम आदि उपस्थित थे।

107 सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय शीध्र ही उपयोग के लिए उपलब्ध होगें

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई में स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 अंतर्गत राज्य स्तरीय तकनीकी समिति की पांचवी बैठक के अनुशंसा अनुसार नगर निगम भिलाई क्षेत्र में सार्वजनिक, सामुदायिक शौचालयों के मरम्मत/उन्नयन कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति एवं निविदा आमंत्रण की अनुमति प्राप्त होने के पश्चात 107 शौचालयों का मरम्मत/उन्नयन का कार्य 362.52 लाख की लागत से किया जा रहा है। उक्त कार्य को शीध्र पूर्ण कराये जाने के लिए आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा निम्नलिखित शर्तो के अनुसार आदेश जारी किया गया है। शौचालय के मरम्मत/उन्नयन हेतु सक्षम अधिकारी से तकनीकी स्वीकृति, प्रशासकीय स्वीकृति की सीमा के अंदर निर्माण कार्य किया जाएगा। किसी भी प्रकार का सारवान परिवर्तन सक्षम अधिकारी के पूर्व स्वीकृति के बिना नहीं किया जाएगा। अनुमोदित निविदा प्रारूप के अनुसार समय पर जारी निर्देशो का पालन करना अनिवार्य होगा। संबंधित निर्माणकर्ता एजेंसी कार्य की गुणवत्ता एवं मानदण्ड सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय अनुसार पूर्ण करेगी। प्रथम किश्त की जारी राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, भौतिक स्थिति, सत्यापित फेटोग्राफ्स प्राप्त होने पर आगामी किश्त की राशि प्रदान की जावेगी। उपयोगिता प्रमाण पत्र के साथ शौचालय मरम्मत के पूर्व एवं पश्चात किये गये कार्यो का जीयो टेग फेटोग्राफ्स प्रेषित करना अनिवार्य होगा। राज्य शासन तथा नोडल एजेंसी सूडा द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशो का पालन किया जाना अनिवार्य होगा।

बर्गर किंग ने रायपुर में 2 नए रेस्टोरेंट खोले, छत्तीसगढ़ में अपनी मौजूदगी का किया और विस्तार

रायपुर (समय दर्शन)। बर्गर किंग ने हाल ही में रायपुर के सिटी सेंटर मॉल में अपने पहले रेस्टोरेंट का भव्य उद्घाटन किया। यह कदम छत्तीसगढ़ प्रांत में ब्रांड के विस्तार के लिहाज से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी महत्वाकांक्षी विकास रणनीति के तहत, बर्गर किंग इंडिया, रायपुर में शंकर नगर में अपना दूसरा रेस्टोरेंट भी लॉन्च करने जा रहा है। इन नए रेस्टोरेंट के खुलने से रायपुर में खाने-पीने का एक नया विकल्प सामने आया है, जिससे शहर में हलचल मच गई है और छत्तीसगढ़ के बाजार में बर्गर किंग की मौजूदगी और मजबूत हुई है। रायपुर में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान नए रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ किया गया। इस शानदार कार्यक्रम में मेहमानों का स्वागत एक शानदार थ्रोन फोटो बूथ के जरिये किया गया, जिसमें एक शानदार बैकड्रॉप पेश किया गया, ताकि मेहमान अपनी यादगार तस्वीरें उतार सकें। कार्यक्रम में सांता ने भी अपनी एक विशेष उपस्थिति दर्ज कराई, और खुश आगंतुकों को विशेष कूपन देते हुए छुट्टियों की खुशियाँ फैलाईं। माहौल को और भी खास बनाते हुए, एक जीवंत एंकर ने मेहमानों से संवाद कायम किया और उनके साथ दिलचस्प कहानियाँ साझा करते हुए सभी को खास महसूस करा रहा था। इस कार्यक्रम में भव्यता, आनंद और मनोरंजन का बेहतरीन मेल देखने को मिला, जिसने सभी मेहमानों को खुशियों से भर दिया। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम ऐसी यादें दे गया, जिन्हें हर कोई संजो कर रखना चाहेगा। बर्गर किंग अपने प्रतिष्ठित व्हॉपर के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है, जो शाकाहारी, चिकन और मटन में उपलब्ध है।

अपनी छत्तीगढ़ी रचनाओं से कवियों ने श्रोताओं को लोटपोट किया

भाटापारा (समय दर्शन)। शहर के स्थानीय मिनीमाता नगर सेंट मैरी कॉलोनी में जय सतनाम सेवा समिति द्वारा भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। संत शिरोमणि गुरु घासीदास बाबा के सम्मान में रखे गए इस कवि सम्मेलन में प्रदेश के जाने-माने कवियों ने हिस्सा लिया। उक्त कार्यक्रम में विशेष अतिथियों के रूप में अपर कलेक्टर मिथिलेश डोण्डे ,ग्लोबल जर्नलिस्ट एंड मीडिया संघ के प्रदेश महासचिव व पत्रकार सत्यनारायण (सत्तू) पटेल, अंतर्राष्ट्रीय रामायण पाशर्व गायक ललित सिंह ठाकुर उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन का संचालन भाटापारा शहर में ही निवासरत व्याख्याता एवं सुप्रसिद्ध कवयित्री अन्नपूर्णा पवार आहुति ने अपने ओजस्वी अंदाज में किया। प्रदेश में अपनी तरह का यह पहला कवि सम्मेलन था जिसे एक महिला कवियित्री द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम में चार चांद नांदघाट से आए छत्तीसगढ़ी हास्य कवि कृष्णा भारती ने अपनी कविता ... देख संगी कईसे संसार हो गे हे, सब के सब मतलब के यार हो गे हे, मिरचा घलो हा अब मीठ लागथे मनखे के बोली मं अतका झार हो गए हे , लोगों को खूब हंसाया। एक तरफ अपनी अनूठी शैरो शायरी और गीतों से रायपुर से आए बेहतरीन शायर इरफानुद्दीन इरफान ने मरकर भी जिंदा आंखों से देखने की बड़ी ही सुंदर शायरी की माध्यम से प्रस्तुति

कर जाएंगे हम, मोहब्बत का विषपान कर जाएंगे, मर के भी आपको देखना कुछ इस तरह दी। जिंदगी पे ये एहसान है हमें, इसलिए नयन दान कर जाएंगे ,उपस्थित लोगों का का दिल जीता, तो वहीं दूसरी ओर जनता को हंसा हंसा कर लोटपोट करने का काम बिलासपुर के कवि शरद यादव अक्स ने धारदार और स्पष्ट संदेश देते हुये कहा ...कइसे होही हमर मिलन, तोर बाप ह गोरी लगे विलन। तोर मोर मया के लव स्टोरी फ्लॉप हो ही हमर फ्लिम, लोगों को खूब गुदगुदाया।

गुरु घासीदास के योगदान का उल्लेख किया- अंत में देश के वीर शहीदों को याद करते हुए एवं गुरु घासीदास बाबा की समाज को अमिट सीखों का हवाला देते हुए नारियों की तत्कालीन अवस्था और जागृति के लिए किस तरह प्रस्तुति दी ...लुट रही है द्रौपदी गोविंद तुमको भान है , अनगिनत पीड़ाओं की जैसे हृदय में खान है। अन्नपूर्णा पवार आहुति ने अपनी कविताओं से श्रोता गणों में शीत ऋतु की रात में गर्म रक्त का संचार कर दिया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष रूप सिंह कोसले, राजमहंत प्रमोद गायकवाड , धर्मगुरु प्रतिनिधि देवनारायण बांधे, कोषाध्यक्ष चंद्रजी कुर्रे,विनोद गायकवाड, मुकेश चतुर्वेदी,वीरेंद्र बंजारे ,कोमलचंद कोसले ,खिलेश्वर पुरैना ,रामेश्वर मनहर, विजय भट्ट , मुकेश सोनवानी , महेंद्र कुर्रे , विमल कुर्रे, रेशम गेंदले,ओमप्रकाश कुर्रे, देव प्रसाद बंजारे ,फुल दास मारकंडे , युवा साथी राजा कुर्रे ,साहिल , आनंद देव , समीर , लायन , भावेश ,सुधीर खिलेंद्र ,राहुल सहित सतनाम सेवा समिति के सदस्य एवं श्रोतागण उपस्थित रहे ।

निगम भिलाई के अधिकारी/ कर्मचारी कार्यालयीन अवधि में अपने कार्य पर उपस्थित हो-आयुक्त

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने विभागीय कार्यो के सुचारू संचालन में कसावट लाने अधिकारी/कर्मचारियो के लिए आदेश जारी किया है। राज्य शासन द्वारा शासकीय कार्यालयों के कार्यावधि के संबंध में पूर्व जारी आदेश को अधिकृमित करते हुए राज्य के मंत्रालय एवं विभागाध्यक्ष कार्यालयों तथा समस्त मैदानी कार्यालयों हेतु कार्य अवधि सुबह 10 बजे से सायं 5:30 बजे तक निर्धारित किया गया है।

आयुक्त पाण्डेय ने आदेश में निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालय में कार्यरत समस्य अधिकारी/कर्मचारियों को आदेश दिए है। सभी अधिकारी/कर्मचारी शासन द्वारा निर्धारित समय पर कार्यालय में

उपस्थित होवें और सौंपे गये दायित्वो का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से करे, अपने दायित्वों का परिपालन करें। विभागीय नस्तियों को अपने टेबल पर जमा न होने दे, शीध्र उसका आगे बढ़ावें। जिससे कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जा सके। आयुक्त से संबंधित नस्तियों को समय अवधि के अंदर प्रस्तुत किया जाए। मैं भी नस्तियों का त्वरित निराकरण करूगां। किसी प्रकार की लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरूद्व नगर निगम अधिनियम के अनुसार कार्यवाही की जावेगी।

महिला पुलिस के बेटे की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या

हत्या के पीछे त्रिकोणीय प्रेम-प्रसंग बना कारण, मुख्य आरोपी प्रेमी फरार

दुर्ग (समय दर्शन)। कसारीडीह सिविल लाईन क्वार्टर क्षेत्र में रविवार की रात एक युवक पर लाठी-डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी गई। हत्या के पीछे त्रिकोणीय प्रेम-प्रसंग को कारण बताया गया है। मृतक चेतन साहू 24वर्ष पिता गजेन्द्र साहू न्यू पुलिस लाईन दुर्ग का निवासी था। फिरहाल हत्या का मुख्य आरोपी लुकेश साहू फरार है,वहीं पुलिस द्वारा संदेह के आधार पर 7 युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हत्या के लिए उपयोग में लाए गए लाठी व डंडे भी पुलिस द्वारा जप्त कर लिए गए है। हत्या के इस मामले में अहम बात है कि मृतक चेतन साहू और युवती दोनो की मां पुलिस विभाग में आरक्षक है,वहीं दूसरा प्रेमी मुख्य आरोपी लुकेश साहू सरगुजा का निवासी बताया गया है। बहरहाल हत्या की घटना से हरकत में आई पद्मनाभपुर थाना पुलिस ने मामले की तफ्तीश तेज कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक चेतन साहू न्यू पुलिस लाईन में रहता था। वह

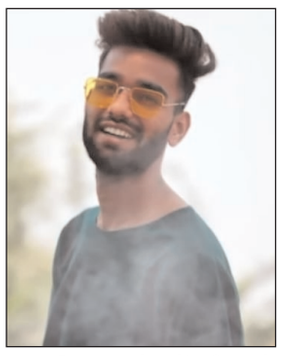

न्यू पुलिस लाईन में ही रहने वाली एक युवती से प्रेम करता था। वहीं हत्या के मुख्य आरोपी का भी उसी युवती से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। बताया गया है कि हाल ही में मुख्य आरोपी ने अपनी प्रेमिका के साथ चेतन साहू को देख लिया था,जो मुख्य आरोपी को नागवार गुजरा। इसी विवाद को सुलझाने रविवार की रात करीब 8.30 बजे के आसपास मुख्य आरोपी व युवती द्वारा चेतन साहू को सिविल लाईन क्षेत्र में बुलाया गया था। यहां उन तीनों के अलावा मुख्य आरोपी के साथ उसके साथी भी पहुंचे। बातचीत के दौरान उनके बीच विवाद सुलझने के बजाय और अधिक बढ़ गया। जिससे गुस्से में मुख्य आरोपी व उसके साथियों द्वारा चेतन साहू से मारपीट की जाने लगी। जिससे घबराए चेतन साहू ने भागकर उनसे बचने का प्रयास किया, लेकिन मुख्य आरोपी व उसके साथियों ने उसे दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इस बीच चेतन साहू अपनी जान बचाने सिविल लाईन में हमर क्लीनीक के पास स्थित एक क्वार्टर में घुस गया,लेकिन उसे वहां मदद नहीं मिली। तभी मुख्य आरोपी व उसके साथियों ने क्वार्टर के बरामदे में घुसकर चेतन साहू पर लाठी-डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। चेतन साहू के चिल्लाने पर आसपास के रहवासियों को आते देख सभी हमलावर युवक फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा रक्त रंजित चेतन साहू को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चेतन साहू ने कुछ देर बाद दम तोड़ दी। हमले में चेतन साहू को सिर व गर्दन के पीछे गंभीर चोंटे आई थी। बहरहाल सिविल लाईन क्वार्टर क्षेत्र में हत्या की घटना सामने आने से रहवासियों में दहशत का माहौल है। रहवासियों का कहना था कि यहां प्रतिदिन नशेड़ियों का जमावड़ा लगता है, लेकिन शिकायत के बावजूद पुलिस इसे नजरअंदाज करते जा रही है। जिससे क्षेत्र में असामाजिक तत्वों के हौसलें बुलंद है। रहवासियों ने क्षेत्र में पुलिस गश्त व पेट्रोलिंग व्यवस्था बढ़ाने की मांग की है।

गैस एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही करने महिलाओं ने जनदर्शन में की मांग

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

दुर्ग (समय दर्शन)/ कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा।

जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, रोजगार दिलाने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 106 आवेदन प्राप्त हुए।

बजरंग नगर दुर्ग निवासियों ने गैस एजेंसी के विरूद्ध कार्यवाही करने मांग की। उन्होंने बताया कि गरीबी रेखा से जीवन यापन करने वाले हम मजदूर रोजी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। हमारे नाम से गरीबी रेखा राशन कार्ड बना हुआ है। शासन की योजना के अंतर्गत उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन के लिए 2018 में आवेदन किया गया था। अपने नाम का गैस सिलेण्डर लेने गोल्डन गैस एजेंसी पद्मनाभपुर में गए तो वहां के.वाय.सी. नही हुआ है, कहकर लगभग तीन वर्षो से घुमाया जा रहा है, जबकि मेरे नाम से गैस सिलेण्डर प्रतिमाह उठाया जा रहा है, जो कि मेरे नाम से जारी दिखा रहा है। इसी प्रकार अन्य महिलाओं को भी गैस सिलेण्डर के लिए घुमाया जा रहा है। इस पर कलेक्टर खाद्य नियंत्रण अधिकारी को परीक्षण कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ग्राम औंरी निवासी ने विकलांग पेंशन प्रदान करने आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि 50 प्रतिशत विकलांग होने के कारण जीवन यापन हेतु शारीरिक एवं आर्थिक रूप से सक्षम नही है। वर्तमान में किसी भी प्रकार का पेंशन प्राप्त नही होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कलेक्टर ने परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा।

ग्राम मोहलई के गोविंद गोपालन केन्द्र ने नाली का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने आवेदन दिया। सड़क निर्माण के दौरान नाली निर्माण किया जा रहा था। गौशाला के सामने लगभग 200 फुट नाली का निर्माण संबंधित विभाग द्वारा कतिपय कारणों से नाली निर्माण नही किया गया।

छत्तीसगढ़ की सभी जेलों में क्यू.आर.टी. का गठन

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के जेलों के बंदियों के मध्य अपराधिक घटनाओं को रोकने तथा घटना उपरान्त त्वरित कार्यवाही के लिए जेल मुख्यालय के निर्देश पर छत्तीसगढ़ की विभिन्न जेलों द्वारा विभिन्न कार्यवाहियां की गई है। सभी जेलों में क्विक रिएक्शन टीम (क्यू.आर.टी.) का गठन किया गया है। कोई भी अप्रिय घटना होने पर क्यू.आर.टी. द्वारा त्वरित कार्यवाही की जाएगी। इस हेतु नियमित रूप से मॉकड्रिल तथा रिहर्सल भी किया जा रहा है। अपराधिक घटनाएं रोकने के लिए कैदियों की व्यवहार प्रोफाईलिंग तैयार की गई है। कैदियों की विभिन्न अपराधियों तथा अपराधिक समूहों से संबद्धता एवं इतिहास पर नजर रखी जा रही है। केन्द्रीय जेल दुर्ग के जेल अधीक्षक से मिली जानकारी अनुसार बंदियों का हिंसक व्यवहार रोकने के लिए तथा रचनात्मक अभिरूचि बढ़ाये जाने के लिए बंदियों के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण, रोजगारोन्मुखी व्यवसायिक कौशल प्रशिक्षण और जीवन कौशल संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इससे बंदियों के मध्य तनाव में कमी आई है। साथ ही बंदियों को मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं, थेरेपी और परामर्श भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके माध्यम से अपराध के सामाजिक-आर्थिक कारकों को भी संबोधित किया जा रहा है। बंदियों के परिवारों के साथ स्वस्थ रिश्तों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सामाजिक समर्थन प्रणालियाँ प्रदान करने हेतु प्रक्रिया विकसित की गई है। इससे बंदियों के रिहा होने पर अपराधिक जीवन में पुनः प्रवेश करने की संभावना में कमी आएगी। सकारात्मक संलग्नता बढ़ाने के लिए बंदियों को मनोरंजन गतिविधियाँ और खेल सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इससे बंदियों के मध्य टीम वर्क और सहयोग को बढ़ावा मिला है। बंदियों को योग, ध्यान तथा काउंसिलिंग प्रदाय की जा रही है। बंदियों के मध्य समरसता बढ़ाये जाने के उद्देश्य से मध्यस्थ नियुक्ति किये गये हैं तथा उनके द्वारा बंदियों से सतत् संवाद रखा जा रहा है।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में ओमप्रकाश भाई एवं कमला दीदी की पुण्यतिथि का आयोजन

आज्ञाकारिता एवं वफादारी इन आत्माओं की विशेषता थी

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में ब्रह्माकुमारीज के क्षेत्रीय निर्देशक ओम प्रकाश भाई एवं कमला दीदी (संचालिका ब्रह्माकुमारीज छत्तीसगढ़) के पुण्यतिथि का आयोजन किया गया इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के शहरी, ग्रामीण अंचल व भिन्न सेवाकेंद्रों के अलावा शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए सभी ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज दुर्ग के भिन्न-भिन्न स्थानों के भाई बहनों ने ओमप्रकाश भाई व कमल दीदी के साथ अपने बिताए हुए संस्मरणों का अनुभव सुनाया जिसमें उनकी विशेषता को धारण कर अपना जीवन परमात्मा सम बनाने की प्रेरणा लिए ।

रीटा बहन (संचालिका ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ने अपने उद्बोधन में कहा कि इन आत्माओं की विशेषता थी आज्ञाकारिता निराकार परमपिता परमात्मा शिव हो या उनका साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा दोनों के अति अति अति आज्ञाकारी थे । ओमप्रकाश भाई जो कि परमात्मा शिव के निराकार माध्यम साकार ब्रह्मा के आज्ञाकारी थे ऐसे ही कमला दीदी ओम प्रकाश भाई के आज्ञाकारी थे । दूसरी विशेषता थी इन आत्माओं की वफादारी,वफादारी अर्थात पवित्रता लौकिक जीवन में भी एक पत्नी को वफादार तब कहा जाता है जब उनकी दृष्टि वृत्ति एक पति के अलावा और कहीं ना जाए ऐसे ही

इन दोनों आत्माओं की दृष्टि में एक परमात्मा के प्रति संपूर्ण वफादारी की भावना थी । ओम प्रकाश भाई की तीसरी विशेषता थी बुद्धिमान भी थे और विवेकशील भी थे हर बात में नवीनता उनकी यह विशेषता थी । आपने ऐसी नवीनता की जिसे आज ब्रह्माकुमारीज में जिसका अनुसरण किया पहली नवीनता जो आपने की इंदौर में कन्याओं के लिए दिव्य जीवन कन्या छात्रावास की स्थापना की । जहाँ से अनेक ब्रह्माकुमारी बहनें शिक्षित व दीक्षित हो भारत ही नहीं अपितु विश्व के विभिन्न स्थानों में सफल ब्रह्मकुमारी के रूप में अनेक आत्माओं का कल्याण करने के निमित्त बनी है व सफल संचालन कर रहीं है । दूसरी बात भारत में सर्वप्रथम परमात्मा द्वारा दिए गए ज्ञान को सभी को सहज व सरल रीति से समझाने के लिए 400 मूर्तियों से सुसज्जित आध्यात्मिक संग्रहालय की स्थापना की जिसके द्वारा अनेक आत्माओं को यह ज्ञान सहज रीति से समझ में आया । यह पहला म्यूजियम इंदौर के न्यू पलासिया में ओम शांति भवन में स्थापना हुआ । इसके बाद संपूर्ण भारत में प्रथम रीट्रीट सेंटर शांति सरोवर के नाम से रायपुर में 8.30 एकड़ की जमीन पर बना । जहां से अनेक आत्माओं को परमात्मा ज्ञान का संदेश मिला जो पहले सहयोगी बने फिर योगी बन परमात्मा के कार्य में मददगार बने । जिसमें एक और कड़ी नवीनता की जुड़ी कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष समस्त मंत्रीगण विधायकगण एवं अनेक अधिकारी ब्रह्माकुमारीज के कार्यों को देखने व समझने ब्रह्माकुमारीज के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माऊँट आबू राजस्थान पहुंचे एवं ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा किए गए सभी कार्यों को नजदीक से देखा व जाना । आज आप सभी जो ओमप्रकाश भाई व कमला दीदी के पुण्यतिथि पर यहां उपस्थित हुए हैं यह आनंद सरोवर उनके ही शुभ संकल्पों की देन है जिससे अनेक आत्माओं की सेवा हो रही है और अध्यात्म जगत की अनेक महान हस्तियां 2016 से 2024 तक आनंद सरोवर आ चुकी है । इन महान आत्माओं ने जिस प्रकार हमारा जीवन श्रेष्ठ बनाया परमात्मा के कार्य में हमें मददगार बनाया हमारे जीवन को सुख शांति से संपन्न बनाया तो हम सभी की उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि अन्य आत्माओं को परमात्मा का सत्य परिचय देकर हम भी अनेक आत्माओं का जीवन सुख श्इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी दुर्ग के प्रथम विद्यार्थी बसंत मोदी (संचालक मोदी स्टोर) , गोकुल साहू (पूर्व कमिश्नर आदिम जाति कल्याण विभाग), रामेश्वर चंद्राकर (पूर्व रेंजर वन विभाग) ने ओमप्रकाश भाई एवं कमला दीदी के साथ बीते हुए पलों के संस्मरण सुनाएं । शहर के गणमान्य नागरिकों में महावीर अग्रवाल नवीन अग्रवाल (सीता राइस मिल) पवन बड़जात्या एवं अनेक लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया व लक्ष्मण सोनी, मुरली भाई ने सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी ।

संक्षिप्त-खबर

ग्राम घुघुवा(क) में मंगलवार 31 दिसम्बर को अखंड रामायणपाठ का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। पाटन क्षेत्र के ग्राम घुघुवा(क) में प्रत्येक मंगलवार को रामायण पाठ के माध्यम से सनातन धर्म के प्रति जागरूक करने का एक छोटा सा प्रयास किया जाता है, इसी कड़ी में कलेंडर नववर्ष के समय विभिन्न उल जुलूल कार्य न करते हुए लोग सत्संग के माध्यम से राम का नाम इस विचार के अंतर्गत मंगलवार 31 दिसम्बर को दोपहर 2 बजे से अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ होगा एवं 1 दिसंबर 2025 को विराम के पश्चात् महाआरती और भोग प्रसादी वितरण के कार्यक्रम आयोजन राम गुणगाण समिति एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम घुघुवा द्वारा किया जा रहा है, इस सूचना के माध्यम से आयोजकों द्वारा सभी राम भक्तों को आमंत्रित कर आयोजन को भव्यता प्रदान करने हेतु सहयोग की अपील की गई हैद्य

सड़क चौड़ीकरण, पेड़ काटना तथ्यों को घूमा फिराकर रखना प्रशासन की पुरानी आदत है

बिलासपुर (समय दर्शन)। विवेकानंद गार्डन से ईदगाह रोड अब चौड़ी नहीं की जा सकती, ऐसे में जेल तिराहे से लेकर ईदगाह तक की रोड चौड़ा करने की कोई खास कारण नहीं है। इस रोड की एक और मिशन अस्पताल और पुलिस के सरकारी क्वार्टर है। फूल मंडी को हटा दे सरकारी क्वार्टर की ओर लगने वाले फ्रूट ठेलो को हटा दे तो यातायात व्यवस्थित हो जाता है। पर ऐसा ना कर के सड़क चौड़ीकरण की प्लानिंग बात कर मिशन लीज निरस्तीकरण का औचित्य सही बताया जाता है। फूल मंडी कहां लगेगी इसे लेकर अब तक कोई फाइनल डिसीजन नहीं है। रोड पर क्यों लगेगी अंदर किसी मैदान में लगाना बेहतर होगा। मिशन अस्पताल की लीज निरस्तीकरण के पीछे कोई बड़ी योजना है। इसके पहले सीएमडी कॉलेज तारबहार थाने से लेकर बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए। पेड़ का कटना कमिश्नर बंगले के ठीक पहले तक हुआ फिर कलेक्टर बंगला और पूर्व मंत्री के घर के आसपास के पेड़ तो हरियाली और छाया देते हैं। शेष पेड़ यातायात में बढ़ा देते हैं उसे समय भी शहर की जनता को यातायात और विकास के नाम पर गलत आंकड़े दिए गए। अभी भी सड़क चौड़ीकरण यातायात के गलत आंकड़े बताए जाते हैं। अतिक्रमण हटाने में निगम को इतनी ही चिंता है तो ईदगाह चौक पर ईदगाह मैदान बाउंड्री वॉल के बाहर का अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया जाता जबकि यहां के दुकानदार केस हार चुके हैं। अस्पतालों को बगैर पार्किंग लाखों रुपए लेकर अनुमति देने की तकलीफआम आदमी क्यों भुगते मिशन अस्पताल पर स्मार्ट सिटी के कर्ताधर्ता अपनी सही योजना क्यों नहीं बताती।

प्रदूषण को रोकने साईकिल रैली निकाली गई

शंकर लहरे/ महासमुंद(समय दर्शन)। भारतीय खेल विकास प्राधिकरण एवं संचालनालय के निर्देश अनुसार खेलों इंडिया आर्चरी ट्रेनिंग सेंटर खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद द्वारा फिट इंडिया रविवार को साईकिल कैंपेन का आयोजन किया गया, जिसमें खेलों इंडिया सेंटर भोरिंग महासमुंद के खिलाड़ियों ने देश में होने वाले प्रदूषण को रोकने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए साईकिल रैली निकाली। भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत संचालित खेलो इंडिया सेंटर के खिलाड़ियों ने जिले के नागरिकों को अपने स्वस्थ को ठीक रखने एवं प्रदूषण को रोकने के उद्देश्य से साईकिल रैली निकाली। साईं भोपाल द्वारा प्रत्येक रविवार को साईकिल रैली आयोजन करने खिलाड़ियों को जूम मीटिंग के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा हैं।

कपड़ा बदलते वीडियो बनाने वाला आरोपी पुलिस गिरफ्त में

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के एक अस्पताल के चेंजिंग रूप में नर्स के वीडियो बनाए जाने का मामला सामने आया है। इसके बाद पूरे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है. संभवत: छत्तीसगढ़ के अस्पताल में ऐसी करतूत का ये पहला मामला बताया जा रहा है. इस मामले में जिम्मेदारों ने जांच कमेटी गठित कर पूरे मामले में कार्रवाई करने की बात कही है। दरअसल, भिलाई के पंडित जवाहरलाल नेहरू हॉस्पिटल में नर्सिंग चेंजिंग रूम में चेंजिंग रूम में नर्स का चोरी-छुपके वीडियो बनाने का गंभीर मामला सामने आया है. आरोपी को पकड़कर मोबाइल जप्त कर लिया है. वहीं अस्पताल प्रबंधन ने आरोपी को नौकरी से निकाल दिया है।

हेमन्त खुटे और अब्दुल शमीम चेस इन स्कूल्स कमीशन के विशेष सदस्य मनोनित

पिथौरा (समय दर्शन। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के पायलट प्रोजेक्ट चेस इन स्कूल्स कमीशन के विशेष सदस्य के रूप में हेमन्त खुटे व अब्दुल शमीम को मनोनित किया गया है। यह मनोनयन चेस इन स्कूल्स कमीशन के चेयरमैन शिवा प्रसाद (तेलंगाना) ने किया है। जिला शतरंज संघ महासमुंद एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमन्त खुटे ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑल इंडिया चेस फेडरेशन का मकसद शतरंज को विद्यालयों में बढ़ावा देना तथा शतरंज की बुनियादी जानकारी प्राथमिक मिडिल स्तर से ही स्कूली बच्चों को उपलब्ध कराना है ताकि ताकि आगे चलकर बच्चे शतरंज के माहिर खिलाड़ी बन सके। उल्लेखनीय है कि स्कूलों में शतरंज खेल को बढ़ावा देने से जहां शतरंज के अच्छे खिलाड़ी तैयार होंगे वही पढ़ाई में भी

शतरंज फायदेमंद साबित होगा क्योंकि शतरंज दिमागी खेल है। इसे खेलने से एकाग्रता बढ़ती है और ब्रेन का एक्सरसाइज होता है। इसके नियमित अभ्यास से बच्चों का आई

क्यू लेवल बढ़ेगा, बौद्धिक क्षमता में वृद्धि होने के साथ-साथ सोचने की क्षमता भी विकसित होगी।

ज्ञात हो कि हेमंत खुटे अब तक 3500 से अधिक स्कूली बच्चों को निशुल्क शतरंज सीखा चुके है। इनके द्वारा स्कूली बच्चों के लिए शतरंज की एक दिग्दर्शिका भी तैयार की गई है

जोकि जल्द ही प्रकाशित होने वाली है। इन्होंने चेस इन स्कूल्स के तहत लयबद्ध धुनों के साथ शतरंज गीत का ऑडियो व एनीमेशन भी बनाया है जिसे छत्तीसगढ़ की मशहूर गायिका कंचन जोशी ने अपनी मधुर आवाज दी है। 5 मिनट के इस गीत में शतरंज की चालों व उसकी मारक क्षमता को बखूबी समझाया गया है। बच्चे गाने के जरिए भी शतरंज की दांव-पेंच को भली-भांति समझ सकेंगे। जियो सावन प्लेटफार्म में भी गाने के साथ-साथ जियोट्यून व रिंगटोन के रूप में ये गीत लांच हुआ है। हेमंत व शमीम के मनोनयन पर अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के उपाध्यक्ष व छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंघानिया, प्रदेश महासचिव विनोद राठी, उपाध्यक्ष किरण अग्रवाल सहित प्रदेश एवं जिला शतरंज संघ के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने ग्राम पंचायत कुरदी में बनेगा जिले का पहला महतारी सदन

बालोद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाने तथा आपसी समरसता स्थापित करने तथा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में महतारी सदन का निर्माण कराया जा रहा है। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कुरदी में जिले का पहला महतारी सदन बनाया जाएगा। जिसकी सौगात मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विगत दिनों बालोद जिले के राजाराव पठार में आयोजित कार्यक्रम में दी है। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों में बनने जा रहे महतारी सदन से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की पहल की जा रही है। साथ ही महिलाओं को रोजगार दिलाने और उनको कामकाज के लिए स्थान उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है। बालोद जिले के ग्राम कुरदी की पोमीर साहू ने बताया कि उन्हें बेहद ही खुशी हो रही है कि उनके गांव में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है। पहले हम महिलाओं को चर्चा, बैठक आदि के लिए यहाँ-वहाँ बैठना पड़ता था। उपयुक्त स्थान नही होने की वजह से हमें काफी समस्याएं भी आती थी। लेकिन हमारी इस समस्या को मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सोंचा, समझा और उसका हल निकालते हुए

महतारी सदन की सौगात हम महिलाओं को दी है। इसके लिए हम सभी महिलाएं उनका हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करती है।

गांव की बुजुर्ग महिला श उषा किरण योगी ने बताया कि हम गांव की महिलाओं को आजीविका संबंधी कार्यों एवं कई प्रकार के बैठकों के लिए अन्य भवन या किसी के घर जाना पड़ता था। बैठक एवं गतिविधियों के लिए कोई निश्चित स्थान नही था। लेकिन अब महतारी सदन बनने से गांव की सभी महिलाओं के लिए एक अच्छा भवन मिल पाएगा। जहाँ हम महिलाएं आजीविका संबंधी गतिविधियां और बैठक आदि कर सकती हैं। महतारी सदन की सौगात हम महिलाओं को देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी को हृदय से धन्यवाद। ग्राम पंचायत कुरदी के सरपंच संजय साहू ने अत्यंत ही हर्ष के साथ बताया की बालोद जिले का पहला महतारी सदन उनके ग्राम पंचायत कुरदी में बनने जा रहा है। यह सौगात ग्राम कुरदी की महिलाओं के लिए सौभाग्य की बात है। संजय साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन में महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह आर्थिक संबल भी मिल रहा है। अब उन्होंने महतारी सदन के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को उनके सशक्तिकरण हेतु बड़ी सौगात दी है।

ग्राम पंचायत सावित्रीपुर के सरपंच और सचिव के खिलाफ लाखों रूपये गबन करने लगा आरोप

बसना (समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिथौरा ब्लाक के ग्राम पंचायत सावित्रीपुर के सरपंच सचिव की मिली भगत से पंचायत का लाखो रूपये गबन का मामला प्रकाश में आया है। जहां पर खेमराज अग्रवाल के द्वारा सरपंच और सचिव के खिलाफ लाखों रूपये गबन करने का आरोप लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता द्वारा ग्राम पंचायत के विकास के पैसे को बंदरबाट करते हुए सरपंच के परिजनों के खाते में ट्रांसफर करने और सरकारी पैसा का दुरुप्रयोग कर सरकार को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया हैं। साथ ही पंचायत को आवंटित15वीं वित राशि में अनियमितता और मनमानी भुगतान का आरोप भी लगाया गया है।शिकायतकर्ता ने बताया कि 21 दिसंबर 2024 को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत महासमुंद के आदेश से ग्राम पंचायत सावित्रीपुर के निर्माण कार्यों की जांच करने के संबंध में जिला पंचायत महासमुंद निर्माण शाखा से सरजू प्रसाद दीवान सहायक परियोजना अधिकारी एवं जनपद पंचायत पिथौरा से गुलाब सामल सहायक आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी पहुंचे हुए थे। मिली जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत सावित्रीपुर के सरपंच शिवकुमारी मानिकपुरी, भूतपूर्व सरपंच जीमला राकेश पटेल, सचिव सरजू सिंह नाग एवं शिकायतकर्ता खेमराज अग्रवाल को जनपद पंचायत पिथौरा की ओर से 13 दिसंबर 2024 से जांच करने की सूचना दे दी गई थी कि 21 दिसंबर 2024 को 11:00 पंचायत भवन में जांच प्रक्रिया की जाएगी। जांच प्रक्रिया में सभी उपस्थित पाए गए परंतु ग्राम पंचायत के सचिव सरजू सिंह नाग नदारद होने के वजह से केवल पंचनामा बनाकर जांच अधिकारियों को वापस जाना पड़ा।

हेणसपाली में गुरूघासीदास जयन्ती का भव्य आयोजन

बसना (समय दर्शन)। गुरु घासीदास जी की 268वीं जयंती के अवसर पर सतनाम युवा समिति व हेडसपाली के समस्त ग्राम वासी द्वारा 26 दिसंबर 2024 को हेड़सपाली में एक दिवसीय भव्य जयंती समारोह का आयोजन किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि बसंती हेतराम टंडन जनपद सदस्य थे 7 और विशिष्ट अतिथि मधुकला गंगाराम साहू, सरपंच ग्राम पंचायत बूटीपाली, पीताम्बर भगत, अवधराम अजय, गनेशराम प्रेमी, भोजराम लहरे, बुद्धेश्वर प्रसाद अजय, महेश लहरे, मोहित जोल्हे, गेंदराम प्रेमी थे।

जयंती समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात बाबा गुरु घासीदास जी की सामूहिक आरती की गई और फिर बाबा जी के जयकार और जय सतनाम की ध्वनियों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत सतनाम युवा समिति के सदस्यों ने पुष्प गुच्छ और श्रीफल से किया गया ।

रात्रि में पंथी नृत्य गान का कार्यक्रम भी रखा गया था ,कार्यक्रम की शुरुआत गांव के बालिकाओं द्वारा पंथी नित्य से किया गया। एवं पंथी नृत्य कार्यक्रम में बहुत दूर-दूर से पंथी नृत्य पार्टी आए हुए थे।

जिसमें झनकार पंथी नित्य पार्टी रायपुर

को प्रथम पुरस्कार 7777 रुपए प्रदान किए गए तथा द्वितीय पुरस्कार सत्संगम पंथी नृत्य पार्टी नया रायपुर को 4444 रुपए प्रदान किए गए तथा तृतीय पुरस्कार बालिका पंथी पार्टी कोट सरसीवा को 3333 प्रदान किया गया, तथा चतुर्थ पुरस्कार दुरूग को 2222 रुपए प्रदान किया गया तथा पंचम पुरस्कार माया के फुलवारी पार्टी को 1111 रुपए प्रदान किया गया,, तथा षष्ठम पुरस्कार 555 रूपये तुलसी बालिका पंथी पार्टी को प्रदान किया गया।

जयंती समारोह को देखने के लिए सतनाम युवा समिति हेडसपाली के सभी सदस्य झनन कुमार प्रेमी, कन्हैया अजय, विष्णु प्रसाद अजय, मोहन लहरे टुकेश्वर लहरे, युवराज प्रेमी, चुन्नीलाल अजय, खगेश्वर अजय, धनेश अजय, लोकेश प्रेमी, कलश प्रेमी, कलाराम प्रेमी, प्रेमलाल लहरे, गुमान सिंह प्रेमी, भूपेंद्र अजय, मनी प्रेमी, राजु लहरे, अमरनाथ खटकर, संतलाल अजय, भूपेंद्र लहरे रामनाथ खटकर, परमानंद लहरें, कृष्णा प्रेमी, एवं समस्त ग्राम वासी उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस सेवादल ने डा. मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजली

जांजगीर चांपा समय दर्शन / अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई के आदेश व छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष अरुण ताम्रकार के निर्देश व अतिरिक्त मुख्य संगठक संतोष पाण्डेय , मनोज वर्मा महामंत्री प्रशासन के मार्गदर्शन पर जिला कांग्रेस सेवादल जांजगीर चांपा द्वारा देश के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर अलग अलग जगहों पर शोक सभा आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान जिला कांग्रेस सेवादल के अध्यक्ष देवकुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में नवागढ़ ब्लाक अध्यक्ष श्याम साहु व अशोक यादव द्वारा ग्राम पंचायत सलखन एवम पाली में यह आयोजन किया गया। इस दौरान डा. सिंह के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जिसमें प्रमुख रूप से सरपंच प्रतिनिधि रामकृष्ण कश्यप , भुनेश्वर साहु , हनुमान कश्यप, शिव कश्यप , प्रहलाद कश्यप , वंशी कश्यप , ताराचंद कश्यप , शत्रुहान लाल साहू , मंगतू पटेल , फरीद मोहम्मद , हमीद खान , रविशंकर मरकाम सहित अन्य उपस्थित रहे ।

पर्यटकों को अभी से लुभाने लगी है ठाकुराइन टोला का लक्ष्मण झूला

बलराम यादव

पाटन। खारुन नदी के किनारे पाटन ब्लॉक के ग्राम ठाकुराइन टोला स्थित है ।।नदी के बीचो-बीच मध्य में प्राचीन शिव मंदिर स्थापित है। यहां पर प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। खासकर महाशिवरात्रि और श्रावण माह के सोमवार को यहां पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। नदी के किनारे होने के कारण यहां पर पर्यटक भी काफी संख्या में आते हैं। इस कारण यह क्षेत्र धीरे-धीरे पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है। तात्कालिक मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे और बढ़ावा देते हुए खारुन नदी में लक्ष्मण झूला निर्माण के लिए लगभग 20 करोड़ की राशि स्वीकृत की थी । अभी वर्तमान में लक्ष्मण झूला का निर्माण 80त्न पूरा हो चुका है। बताया जा रहा है कि आगामी महाशिवरात्रि के दिन लक्ष्मण झूला का लोकार्पण की तैयारी भी है। इसके लोकार्पण हो जाने से इस क्षेत्र में पर्यटन को काफी बढ़ावा मिलेगा।

क्षेत्र में ग्राम पंचायत सिकोला का आश्रित गांव है ठकुराइन टोला। यहां पर खारुन नदी दुर्ग एवं रायपुर जिला को जोड़ती है। वही खारुन नदी के मध्य निषाद समाज के द्वारा निर्माण किए गए प्राचीन शिव मंदिर भी है। नदी के बीचों बीच होने के कारण यह काफी आकर्षण का भी केंद्र है और श्रद्धालुओं का श्रद्धा का भी केंद्र है। इसे पर्यटन के रूप में बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस शासन

काल में तात्कालिक मुख्यमंत्री एवं पाटन के विधायक भूपेश बघेल ने लक्ष्मण झूला बनाने के लिए 20 करोड रुपए राशि स्वीकृत किया। इसके बाद सिंचाई विभाग ने निर्माण कार्य शुरू किया। आज वर्तमान में 80त्न निर्माण कार्य पूरा हो चुके हैं वहीं शेष निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा करने की तैयारी है। इस लक्ष्मण झूला के बन जाने से पर्यटन की दृष्टि से यह जगह काफी आकर्षक हो जाएगा अभी लक्ष्मण झूला का निर्माण चल ही रहा है । वह भी लोगों को लुभा रही है। मंदिर नदी के बिच में है और लक्ष्मण झूला एक छोर से दूसरे छोर तक बन रही है। बीच में मंदिर जाने के लिए लक्ष्मण झूला के बीचो-बीच सीढ़ी भी दिया जा रहा है जिससे कि अब बरसात के समय में नदी पर बाढ़ आने की स्थिति में भी शिव भक्ति मंदिर तक पहुंच कर पूजा अर्चना दर्शन कर सकते हैं । जानकारी के मुताबिक लक्ष्मण झूला की लंबाई 250 मीटर है और चौड़ाई 3.25 मीटर है।। अभी पिलहर बनाने का काम पूरा हो चुका है अब लक्ष्मण झूला को सजाने का काम बचा हुआ है। सिंचाई विभाग के अधिकारी लगातार इस निर्माण कार्य की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। ठेकेदार को भी जल्द से जल्द इस निर्माण कार्य को पूरा करने के निर्देश दे रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आगामी महाशिवरात्रि पर्व पर पाटन सहित छत्तीसगढ़ के लोगों को जो ठकुराइन टोला में पर्यटन के रूप में एवं आस्था लेकर आते हैं उन्हें यह झूला का सौगात मिल जाएगा। ऐसा पहली बार है जब पाटन में इस तरह से लक्ष्मण झूला का निर्माण हुआ है ।।बता दें कि ठकुराइन टोला में प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर भव्य रूप से मेला का भी आयोजन होता है वही 12 पाली निषाद समाज के द्वारा बनाए गए इस मंदिर लोगों का आस्था का केंद्र बढ़ते ही जा रहा है।। नदी के किनारे काफी अच्छे वातावरण है। पेड़ पौधे हैं इस कारण यहां पर लोग परिवार सहित मंदिर दर्शन के साथ-साथ पिकनिक के लिए भी आने लगे हैं। लक्ष्मण झूला के बन जाने से पर्यटन को काफी बढ़ावा भी मिलेगा।।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24